राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक बुलेटिन

आप की आवाज

www.aapkiawaaznews.in

नई दिल्ली,समस्तीपुर से एक साथ प्रकाशित

तेज खबर तेज असर

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ

वर्ष: 04 | अंक : 93 | मंगलवार 15 जुलाई 2025 | पृष्ठ – 06 | मूल्य : 3 रूपये

लद्दाख में एलजी और हरियाणा-गोवा में नए राज्यपालों की नियुक्ति

कविंदर गुप्ता को केंद्र शासित प्रदेश की कमान; जम्मू कश्मीर के डिप्टी सीएम रह चुके

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रपति ने हरियाणा, गोवा के राज्यपाल और लद्दाख के उपराज्यपाल बदले हैं। केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख के एलजी पोस्ट से रिटायर्ड ब्रिगेडियर डॉ. बीडी मिश्रा के इस्तीफे के बाद उनकी जगह कविंदर गुप्ता को नया उपराज्यपाल नियुक्त किया है।

कविंदर गुप्ता, जम्मू-कश्मीर के एक सीनियर भाजपा नेता हैं और महबूबा मुफ्ती के मुख्यमंत्री रहते हुए राज्य के

उपमुख्यमंत्री के रूप में काम कर चुके हैं।

इनके अलावा प्रोफेसर अशीम कुमार घोष को हरियाणा और पुसपति अशोक गजपति राजू को गोवा का राज्यपाल नियुक्त किया गया है।

कविंदर मिश्रा जम्मू-कश्मीर के उप मुख्यमंत्री रह चुके हैं। उस वक्त लद्दाख जम्मू-कश्मीर राज्य का ही हिस्सा था।

बांग्लादेश ने पीएम मोदी को 1000 किलो आम भेजे

- यूनुस ने बरकरार रखी मैंगो डिप्लोमेसी, ममता को भी हरिभंगा आम गिफ्ट किए

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख प्रोफेसर मुहम्मद यूनुस ने 'हरिभंगा' किस्म के 1,000 किलोग्राम आम भारत भेजे हैं। इन्हें पीएम मोदी, भारत के राजनयिकों और दूसरे अधिकारियों को उपहार में दिए जाएंगे। भारत के साथ रिश्तों को बेहतर बनाने की कोशिश के तहत बांग्लादेश की इस पहल को 'मैंगो डिप्लोमेसी' कहा जा रहा है।

इसके तहत अंतरिम सरकार ने न सिर्फ केंद्र सरकार को, बल्कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा को भी हरिभंगा आम भेजे हैं।

गडकरी बोले-

ऐसे लोगों की जरूरत जो सरकार पर केस करें

- नेताओं-सिस्टम में अनुशासन के लिए कोर्ट का सहारा लेना जरूरी है

नागपुर (एजेंसी)। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने कहा, समाज में कुछ ऐसे लोग भी होने चाहिए, जो सरकार के खिलाफ केस दाखिल कर सकें। अगर सिस्टम में अनुशासन चाहिए तो सरकार के खिलाफ अदालत का सहारा लेना जरूरी है।

उन्होंने कहा- कई बार अदालत का आदेश ऐसे काम भी करवा देते हैं, जो सरकार नहीं करवा पातीं। समाज में

कुछ लोगों को सरकार के खिलाफ अदालत में याचिकाएं दाखिल करनी चाहिए। इससे नेताओं और सिस्टम में अनुशासन आता है।

गडकरी ने कहा कि ऐसा इसलिए क्योंकि जनता को लुभाने की राजनीति नेताओं-मंत्रियों के आड़े आती है और वे जनहित में कदम नहीं उठा पाते। गडकरी ने कई उदाहरण दिए, जिनमें केंद्र-राज्य सरकारों को खिलाफ याचिका दाखिल की गई थी।

सावन का पहला सोमवार

शिवालयों में उमड़ी भीड़

उज्जैन में नई पालकी में प्रजा का हाल जानने निकले महाकाल, 1 लाख से ज्यादा श्रद्धालु पहुंचे

राजस्थान के शिव मंदिर में 151 किलो घी से अभिषेक, काशी विश्वनाथ के जलाभिषेक के लिए 1 सेकेंड का वक्त

नई दिल्ली (एजेंसी)। सावन महीने का पहला सोमवार था। सभी ज्योतिर्लिंगों के अलावा देश के छोटे-बड़े सभी शिव मंदिरों में जलाभिषेक जारी है। रविवार रात से ही मंदिरों के बाहर भक्तों की भीड़ जमा है।

मध्य प्रदेश के उज्जैन में महाकालेश्वर मंदिर के तड़के सुबह 2.30 बजे मंदिर के कपाट खोले गए थे। यहां हजारों श्रद्धालु बाबा महाकाल के दर्शन करने पहुंचे हैं। सावन महीने में यहां 80 लाख लोगों के आने का अनुमान है।

राजस्थान के जयपुर में चौड़ा रास्ता स्थित ताड़केश्वर महादेव मंदिर में सुबह 3 बजे भगवान भोलेनाथ का 151 किलो गाय के घी से अभिषेक किया गया है। महंत शक्ति व्यास ने बताया- 3100 किलो आम से मंदिर की सजावट की गई है।

यूपी के वाराणसी में काशी विश्वनाथ मंदिर में सुबह 4 बजे मंगला आरती हुई। रात से ही दर्शन जारी हैं। मंदिर के बाहर कांवड़ियों की 3 किमी लंबी लाइन है। बाबा विश्वनाथ के जलाभिषेक के लिए केवल 1 सेकेंड का समय मिल रहा है।

सावन के पहले सोमवार पर उज्जैन में भगवान महाकाल नई पालकी में प्रजा का हाल जानने निकले। ये पहली सवारी वैदिक उद्घोष की थीम पर निकाली जा रही है। सवारी शिप्रा नदी तक जाएगी। यहां महाकाल का पूजन किया जाएगा। इसके बाद रात करीब 7 बजे पालकी मंदिर वापस आएगी।

सवारी में भजन मंडलियों नाचते-गाते आगे बढ़ रही हैं। इससे पहले तड़के 2:30 बजे महाकालेश्वर मंदिर के कपाट खोले गए थे। कपाट रात 10 बजे शयन आरती तक खुले रहेंगे। दोपहर 3 बजे तक 1 लाख 15 हजार श्रद्धालु दर्शन कर चुके थे।

इधर, खंडवा के ओंकारेश्वर में सुबह 5 बजे मंगला आरती हुई। ओंकार महाराज का फूलों से विशेष श्रृंगार किया गया। नैवेद्य में 56 भोग अर्पित किए गए।

राधिका मर्डर, पिता बोला-

जो हो गया, सो हो गया

गुरुग्राम (एजेंसी)। हरियाणा के गुरुग्राम में टेनिस प्लेयर राधिका यादव की हत्या करने वाले पिता दीपक यादव को कत्ल पर अब कोई पछतावा नहीं है। पुलिस रिमांड के दौरान उसने अपना गुनाह कबूल कर लिया। पुलिस पूछताछ के दौरान उसने कहा कि जो हो गया, सो हो गया, अब उसे और कुछ नहीं कहना।

उधर, आरोपी दीपक यादव को गुरुग्राम की जिला जेल में रखा गया है, जहां उसे हवालाती नंबर- 4142 दिया गया है। आरोपी को कत्ल की वजह से हार्डकोर अपराधियों की

सेकेंड कैटेगरी में रखा गया है। इसमें वे कैदी हैं, जो पहली या दूसरी बार, सिंगल या डबल मर्डर करके आते हैं। वह 60 कैदियों के साथ है, जहां सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं।

वहीं गुरुग्राम पुलिस ने जांच आगे बढ़ाते हुए टेनिस प्लेयर के मोबाइल को डेटा रिकवरी के लिए फोरेंसिक लैब भेज दिया है। जिसके जरिए पता किया जाएगा कि उसमें से कोई डेटा वगैरह डिलीट तो नहीं किया गया। इसके अलावा कत्ल से पहले राधिका की किसी से बात हुई या फिर किसी न उसको या उसने किसी को कोई मैसेज वगैरह भेजा था या नहीं।

गुरुग्राम पुलिस के प्रवक्ता संदीप कुमार ने कहा कि जो भी परिवार के सदस्य, दोस्त या सहयोगी मीडिया या सोशल मीडिया के सामने कुछ जानकारी दे रहे हैं तो वे सामने आएं। सोशल मीडिया पर राधिका की बेस्ट फ्रेंड या फिर सहकर्मी बनकर जो भी वीडियो डाल रहे हैं, वह भी आगे आकर सही जानकारी पुलिस को दें।

स्पेस स्टेशन से रवाना हुए शुभांशु शुक्ला

- 23 घंटे के सफर के बाद पृथ्वी पर पहुंचेंगे, 41 साल बाद कोई भारतीय अंतरिक्ष में गया

फ्लोरिडा (एजेंसी)। शुभांशु शुक्ला सहित चार एस्ट्रोनॉट आज 14 जुलाई को शाम 4:45 बजे इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन से पृथ्वी के लिए रवाना हुए। करीब 23 घंटे के सफर के बाद उनका ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट 15 जुलाई दोपहर करीब 3 बजे समुद्र में उतरेगा। इसे स्प्लैशडाउन कहते हैं। स्पेसक्राफ्ट 263 किलो से ज्यादा

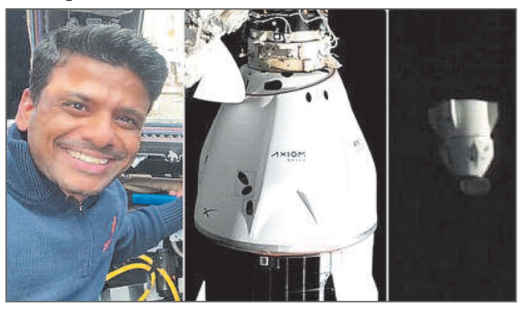

कार्गो के साथ वापस आएगा। इसमें नासा का हार्डवेयर और 60 से ज्यादा प्रयोगों का डेटा शामिल होगा। यह अंतरिक्ष अनुसंधान के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। चारों एस्ट्रोनॉट 26 जून को भारतीय समय के अनुसार शाम 4:01 बजे आईएसएस पहुंचे थे। एक्सियम मिशन 4 के तहत 25 जून को दोपहर करीब 12 बजे एस्ट्रोनॉट रवाना हुए थे। स्पेसएक्स के फाल्कन-9 रॉकेट से जुड़े ड्रैगन कैप्सूल में इन्होंने कैनेडी स्पेस सेंटर से उड़ान भरी थी। ये मिशन तकनीकी खराबी और मौसमी दिक्कतों के कारण 6 बार टाला गया था।

बिहार में बाढ़-बिजली गिरने से 13 की मौत

- राजस्थान में 7 की जान गई • एमपी के 4 जिलों में बाढ़; लैंडस्लाइड से चंडीगढ़-मनाली हाईवे बंद

नई दिल्ली/ भोपाल/ लखनऊ/ पटना/ जयपुर (एजेंसी)। बिहार में बीते 24 घंटे में बाढ़-बिजली गिरने से 13 लोगों की मौत हो गई है। बिजली गिरने से प्रदेश में 9 लोगों की जान चली गई। इनमें सबसे ज्यादा 5 मौतें बांका में हुई। वहीं, बाढ़ से गयाजी में 2, नालंदा और पटना में 1-1 व्यक्ति की मौत हुई है।

राजस्थान में भी बीते 1 दिन में बारिश की घटनाओं में 7 लोगों की मौत हो गई है। भीलवाड़ा में दो चचेरे भाइयों की बरसाती नाले में और राजसमंद में तालाब में डूबने से भाई-बहन की मौत हो

गई। ब्यावर में कीचड़ में गिरने से बच्चे की जान चली गई। भरतपुर में बिजली गिरने से पाली में बारिश में करंट लगने से 1-1 व्यक्ति की मौत हो गई। मध्य प्रदेश के छतरपुर, टीकमगढ़, अशोकनगर और गुना में बाढ़ के हालात हैं। इन जिलों के कई गांव बाढ़ में घिरे रहे। छतरपुर में धसान नदी में पिकअप बह गई। इससे एक व्यक्ति की मौत हो गई।

हिमाचल प्रदेश में इस मानसून सीजन में बारिश, बाढ़ और लैंडस्लाइड की घटनाओं में 98 लोगों की मौत हुई है। अब तक 770 करोड़ रुपए का नुकसान हो चुका है। मंडी में चंडीगढ़-मनाली हाईवे एक बार फिर लैंडस्लाइड के चलते बंद हो गया है।

यूपी के बांध ओवरफ्लो होने लगे हैं। ललितपुर स्थित गोविंद सागर बांध के 17 गेट खोल दिए गए हैं। वाराणसी में गंगा नदी उफान पर है। रत्नेश्वर महादेव मंदिर 80 फीसदी डूब चुका है। वहीं, भगवान बुद्ध की 80 फीट ऊंची प्रतिमा पर बिजली गिरने से शिखर क्षतिग्रस्त हो गया।

3 युवकों को गोली मारी, एक की मौत

- 2 गंभीर, 7 राउंड फायरिंग, 20 फीट तक बिखरा खून; मौके पर 4 थानों की पुलिस

बेगूसराय (एजेंसी)। बेगूसराय में सोमवार को बदमाशों ने दिनदहाड़े 3 युवकों को गोली मार दी। इसमें एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई। बाकी दोनों की हालत गंभीर बनी हुई है। 7-8 राउंड फायरिंग हुई है। घटना लोहिया नगर थाना क्षेत्र के बाघा रेलवे गुमटी के पास की है।

मृतक की पहचान अमित कुमार (25) के तौर पर हुई है। जानकारी के मुताबिक रेलवे गुमटी के पास अमित छोटे वाहनों से बैरियर वसूलता था। सुबह करीब 11:30 बजे स्टाफ प्रिंस कुमार के साथ बैरियर पर बैठा था। इस दौरान 2 बाइक से 4 अपराधी पहुंचे। ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी।

बेगूसराय रेलवे स्टेशन से 200 मीटर दूर गोली मारी है। गोली लगने से अमित, शुभम और प्रिंस घायल हो गए। इलाज के लिए स्थानीय लोगों ने अस्पताल पहुंचाया। जहां अमित की मौत हो गई। स्थिति तनावपूर्ण है। मौके पर 2 थानों की पुलिस पहुंची है।

तलाक मामले में पत्नी की कॉल रिकॉर्डिंग सबूत

सुप्रीम कोर्ट बोला- ये निजता का उल्लंघन नहीं, रिश्ता जासूसी तक पहुंचा तो पहले ही टूट चुका

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा कि पत्नी की जानकारी के बिना रिकॉर्ड कॉल को वैवाहिक विवादों में सबूत के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है। कोर्ट ने पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट के उस फैसले को खारिज कर दिया, जिसमें कहा गया था कि ऐसा करना पत्नी के निजता के अधिकार का उल्लंघन है और इसे सबूत के रूप में नहीं माना जा सकता।

कोर्ट ने कहा कि शादीशुदा जीवन में गोपनीयता का अधिकार पूरा नहीं हो सकता। इंडियन एविडेंस की धारा 122 के तहत पति-पत्नी के बीच बातचीत को कोर्ट में उजागर नहीं

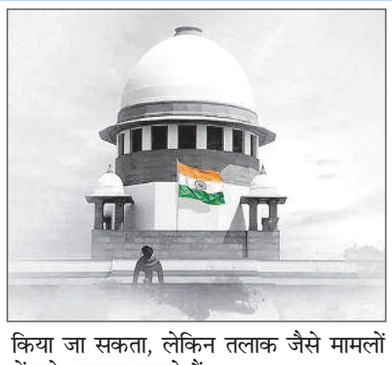

किया जा सकता, लेकिन तलाक जैसे मामलों में इसे अपवाद मानते हैं।

दिल्ली कोर्ट ने कहा था-

पत्नी को पति की संपत्ति मानने की सोच असंवैधानिक- दिल्ली हाईकोर्ट ने 18 अप्रैल को एक महिला के पति की ओर से दायर व्यभिचार (एडल्टरी) के केस में आरोपी व्यक्ति को बरी कर दिया था। कोर्ट ने कहा- पत्नी को पति की संपत्ति जानने की सोच अब असंवैधानिक है। यह मानसिकता महाभारत काल से चली आ रही है।

जस्टिस नीना बंसल कृष्णा ने अपने फैसले में सुप्रीम कोर्ट के उस ऐतिहासिक निर्णय का हवाला दिया, जिसमें आईपीसी की धारा 497 को असंवैधानिक करार दिया गया था। यह कानून पितृसत्तात्मक सोच पर आधारित था, जिसमें पत्नी को अपराधी नहीं, बल्कि ऐसी महिला माना गया, जिसे बहकाया गया।

क्या था मामला?

यह केस बठिंडा की एक फैमिली कोर्ट से शुरू हुआ था, जहां पति ने पत्नी से बातचीत की रिकॉर्डिंग के आधार पर तलाक की अर्जी दी थी। कोर्ट ने कॉल रिकॉर्डिंग को सबूत के तौर पर मान लिया। पत्नी ने इस फैसले को पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट में चुनौती दी। हाईकोर्ट ने इसे निजता का उल्लंघन बताया और कहा कि इस रिकॉर्डिंग को सबूत नहीं माना जा सकता। हाईकोर्ट ने आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट और अन्य फैसलों का हवाला देते हुए कहा था कि पति-पत्नी की निजी बातचीत को चोरी-छिपे रिकॉर्ड करना कानूनन गलत है।

पति की दलील-

हमेशा पति-पत्नी के मामले में गवाह नहीं होता- पति के वकील ने कहा कि निजता का अधिकार सीमित हैं और उसे अन्य संवैधानिक अधिकारों के साथ संतुलित करना चाहिए।

करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष रिहा

- आंदोलन में शामिल नहीं होने की शर्त पर शहर से बाहर छोड़ा; शेरपुर बोले- समझौता नहीं करेंगे

हरदा (एजेंसी)। करणी सेना परिवार के अध्यक्ष जीवन सिंह शेरपुर और साथियों को रिहा किया गया है। शर्त ये है कि वे हरदा में किसी भी तरह के आंदोलन या प्रदर्शन में शामिल नहीं होंगे।

हरदा में सोमवार सुबह करीब 7:15 बजे करणी सेना परिवार के राष्ट्रीय अध्यक्ष जीवन सिंह शेरपुर, कृष्णा अजय पाल, राहुल पिता भारत और नेपाल पिता विक्रम सिंह को सशर्त रिहा किया गया। रिहाई एसडीएम कुमार शानू देवड़िया की मौजूदगी में हुई। दोपहर में 50 और सदस्यों को रिहा किया गया।

एसडीएम ने बताया कि सोमवार को सभी लोगों को रिहा कर दिया है। प्रशासन ने जीवन सिंह शेरपुर को जिला सीमा से बाहर छोड़ा है। उनसे लिखित में लिया गया है कि वे हरदा में किसी भी तरह के आंदोलन या प्रदर्शन में शामिल नहीं होंगे।

सुप्रीम कोर्ट के सुझाव पर अमल करे चुनाव आयोग- अवैध घुसपैठियों के खिलाफ भी हो कड़ी कार्रवाई

संतोष कुमार पाठक

दरअसल, भारत जैसे लोकतांत्रिक देश में चुनाव आयोग का काम ज्यादा से ज्यादा मतदाताओं को वोटर लिस्ट में शामिल कर,उन्हें वोट देने के लिए ज्यादा से ज्यादा प्रोत्साहित करना है। चुनाव आयोग का काम वोटर लिस्ट से जीवित मतदाताओं का नाम हटाना नहीं है।

बिहार में मतदाता सूची विशेष पुनरीक्षण अभियान-रक्फ़ के खिलाफ दायर याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए देश की सर्वोच्च अदालत ने चुनाव आयोग को कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को लंबी सुनवाई करने और दोनों पक्षों के तर्कों को सुनने के बाद चुनाव आयोग को निर्देश दिया कि वह मतदाता सूची पुनरीक्षण के लिए जरूरी मान्य दस्तावेजों में आधार कार्ड, राशन कार्ड और वोटर आईडी कार्ड को भी शामिल करने पर विचार करे। देश की सर्वोच्च अदालत ने चुनाव आयोग से कई अहम मुद्दों पर जवाब दाखिल करने को भी कहा है। मामले की अगली सुनवाई 28 जुलाई को होगी।

हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण पर रोक नहीं लगाई है। यानी चुनाव आयोग द्वारा चलाया गया यह विशेष अभियान चलता रहेगा। लेकिन अदालत ने आधार कार्ड, राशन कार्ड और वोटर आईडी कार्ड को भी मान्यता देने का सुझाव देकर बिहार के आम मतदाताओं की मुश्किलों को भी आसान करने का प्रयास किया है। इससे पूरी प्रक्रिया आसान होगी और वोटर लिस्ट को लेकर जिस तरह की आशंकाएं पैदा हो रही है, उसे भी कम करने में मदद मिलेगी।

दरअसल, भारत जैसे लोकतांत्रिक देश में चुनाव आयोग का काम ज्यादा से ज्यादा मतदाताओं को वोटर लिस्ट में शामिल कर, उन्हें वोट देने के लिए ज्यादा से ज्यादा प्रोत्साहित करना है। चुनाव आयोग का काम वोटर लिस्ट से जीवित मतदाताओं का नाम हटाना नहीं है। चुनाव आयोग किसी भी मतदाता से उसका मताधिकार कतई नहीं छीन सकता है। पिछले कुछ वर्षों के दौरान, बिहार सहित पूरे देश में आधार कार्ड को जिस तरह से बाकी सभी कार्डों, बैंक खातों और

सरकारी योजनाओं से जोड़ा गया है, उसके बाद आधार कार्ड को पूरी तरह से खारिज करने से कई तरह के सवाल खड़े हो रहे थे। बिहार में कई जिलों में इस अभियान के तहत आधार कार्ड को स्वीकार किया जा रहा था और कई जिलों में नहीं किया जा रहा था, जिससे कन्फ्यूजन की स्थिति बनी हुई थी। ऐसे में यह बहुत जरूरी माना जा रहा था कि चुनाव आयोग कोई बीच का रास्ता निकाले।

सुप्रीम कोर्ट ने भले ही रक्फ़पर रोक नहीं लगाई हो लेकिन टाइमिंग को लेकर जो सवाल पूछे हैं, उससे चुनाव आयोग की इस पूरी कवायद पर कई तरह के सवाल उठ रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने बिहार में इसी साल होने वाले विधानसभा चुनाव और चुनाव आयोग के इस अभियान को लेकर सुनवाई के दौरान कई महत्वपूर्ण सवाल भी पूछे। हालांकि जस्टिस सुधांशु धूलिया और जस्टिस जॉयमाला बागची की पीठ ने साफ-साफ कहा कि वे संवैधानिक संस्था को वह करने से नहीं रोक सकते जो उसे करना चाहिए। लेकिन कोर्ट ने चुनाव आयोग को अपना जवाबी हलफनामा दायर करने के लिए एक सप्ताह का समय दिया है। वहीं याचिकाकताओं को उसके एक सप्ताह बाद जवाब दाखिल करने के लिए कहा है।

यह मामला केवल बिहार तक ही सीमित रहने वाला नहीं है। आने वाले दिनों में दूसरे राज्यों में मतदाता सूची की समीक्षा कैसे होगी, यह बिहार के मॉडल पर निर्भर करेगा इसलिए सुप्रीम कोर्ट के अंतिम फैसले पर सबकी नजरें बनी रहेंगी।

हालांकि यह भी एक कड़वा सच है कि बिहार सहित देश के कई राज्यों में अवैध घुसपैठियों की भरमार हो गई है। भारत 70 के दशक से ही बांग्लादेश से आने वाले अवैध घुसपैठियों से त्रस्त रहा है और पिछले कुछ वर्षों के दौरान म्यामांर से भी रोहिंग्या मुसलमानों की घुसपैठ देश में बढ़ती जा रही है। देश के कई जिलों में इन अवैध घुसपैठियों की वजह से हालात काफी भयावह हो गए हैं,इसे नकारा नहीं जा सकता है। बिहार के भी कई जिले, अवैध घुसपैठियों से भरे पड़े हैं, इस सच्चाई को भी खारिज नहीं किया जा सकता। कहा जाता है कि बिहार के सीमांचल इलाकों में अवैध घुसपैठियों की संख्या तेजी से बढ़ी है लेकिन सच्चाई यह है कि बिहार का हर जिला बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों से पीड़ित है। बिहार के मिथिलांचल इलाके में भी अवैध घुसपैठियों की संख्या खतरनाक स्तर पर पहुंच गई है। लेकिन इस समस्या का समाधान कर पाना चुनाव आयोग के वश में नहीं है। इसके लिए केंद्र सरकार और केंद्रीय गृह मंत्रालय को विभिन्न एजेंसियों और राज्य सरकारों के साथ मिलकर बड़े पैमाने पर अभियान चलाना होगा। एक तरफ सीमा से होने वाली घुसपैठ को हर हाल में रोकना होगा, दूसरी तरफ सीमावर्ती जिलों के प्रशासनिक ढांचे को भ्रष्टाचार मुक्त और चुस्त-दुरुस्त बनाना होगा। इसके साथ ही देश में घुस चुके घुसपैठियों को देश से हर कीमत पर बाहर भगाने के लिए भी एक व्यापक अभियान चलाना होगा। यह समय की मांग है कि बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों को बाहर भगाने के लिए जल्द से जल्द इस तरह का अभियान बड़े पैमाने पर शुरू किया जाए।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं राजनीतिक विश्लेषक हैं।

संपादकीय

रिपोर्ट पर रार

अहमदाबाद में हुए एअर इंडिया विमान हादसे का सच सामने आने की उम्मीद के सूत्र प्रारंभिक जांच रिपोर्ट से और उलझ गए हैं। इसके अनुसार उड़ान एआई-171 के दोनों इंजन में ईंधन पहुंचाने वाले स्विच उड़ान भरने के तुरंत बाद बंद हो गए थे जिसके कुछ सेकंड बाद लंदन जा रहा विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। विमान के दोनों पायलटों की बातचीत के संक्षिप्त से हिस्से ने मामले को उलझा दिया है। रिपोर्ट के अनुसारकॉकपिट वॉयस रिकार्डिंग में एक पायलट को दूसरे से पूछते सुना गया कि कि उसने ईंधन क्यों बंद किया तो जवाब मिला कि उसने ऐसा नहीं किया। यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि कौन सी आवाज किस पायलट की है। 10 क्रू सदस्यों और 241 यात्रियों सहित इस हादसे में 260 लोग मारे गए थे उन्हें न्याय मिलने का इंतजार अंतिम रिपोर्ट आने तक अधर में लटक गया है। विमान दुर्घटना अन्वेषण ब्यूरो (एएआईबी) की रिपोर्ट के अनुसार, दोनों ईंधन नियंत्रण स्विच (जिनका उपयोग इंजनों को बंद करने के लिए किया जाता है) उड़ान भरने के तुरंत बाद 'कटऑफ' स्थिति में चले गए थे। यह नहीं बताया गया कि यह कैसे हुआ या किसने किया। हालांकि पायलटों ने दोनों स्विच चालू कर दिए थे लेकिन विमान को ऊपर उठाने के लिए आवश्यक ऊर्जा जुटाने में सफल नहीं हो सके। रिपोर्ट के अनुसार, जब विमान ने उड़ान भरी उस समय सह-पायलट विमान उड़ा रहा था और कप्तान निगरानी कर रहा था। रिपोर्ट के संकेत पायलटों को संदेह के दायरे में लाते हैं जबकि दोनों पायलट अत्यंत अनुभवी थे। विमानन विशेषज्ञों का भी कहना है कि ये स्विच ऐसी स्थिति में नहीं होते कि असावधानीवश छू जाने से सक्रिय हो जाएं। प्रारंभिक रिपोर्ट विमान के ऑपरेटरों को फिलहाल कार्रवाई से बख्श देती है। विमान के उड़ान भरने के लगभग तुरंत बाद की सीसीटीवी फुटेज से पता चलता है कि 'रैम एयर टर्बाइन' (आरएटी) नामक 'बैकअप' ऊर्जा स्रेत सक्रिय हो गया था, जो इंजन में ऊर्जा की कमी का संकेत देता है। सवाल उठता है कि इस ओर वायु यातायात नियंत्रक का ध्यान क्यों नहीं गया वरना पायलट के आपातकालीन संकेत 'मे डे, मे डे,मे डे जारी करने से पहले ही सहायता मिल सकती थी। नागर विमानन राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल की बात यहां समझदारीपूर्ण लगती है कि प्रारंभिक रिपोर्ट और पायलटों की बातचीत से निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता। विमान के रखरखाव में कमी, लापरवाही या साजिश का नतीजा था, यह जानने के लिए अंतिम जांच रिपोर्ट का इंतजार है।

सूक्ति

इच्छाओं के सामने आते ही सभी प्रतिज्ञाएं ताक पर धरी रह जाती हैं।
- अज्ञात

जो आदमी सच्चा कलाकार है, वह स्वार्थमय जीवन का प्रेमी हो ही नहीं सकता।
- प्रेमचंद

चिंतन-मनन

व्यक्तित्व निर्माण की प्रक्रिया

बदलाव का क्रम निरंतर चलता है। जैन दर्शन इस क्रम को पर्याय-परिवर्तन के रूप में स्वीकार करता है। पर्याय का अर्थ है अवस्था। प्रत्येक वस्तु की अवस्था प्रतिक्षण बदलती है। यह जगत की स्वाभाविक प्रक्रिया है।कुछ अवस्थाओं को प्रयत्नपूर्वक भी बदला जाता है।स्वभाव से हो या प्रयोग से, बदलाव की प्रक्रिया को बदलना संभव नहीं है।वस्तु बदल सकती है तो व्यक्ति भी बदल सकता है।इस आस्थासूत्र का आलंबन लेकर ही व्यक्ति व्यक्तित्व-निर्माण का लक्ष्य निर्धारित करता है।लक्ष्य निर्णीत होने के बाद उस दिशा में प्रस्थान करता है। आज का आदमी जेट युग की रफ्तार से चलता है। वह आकाश में सीढ़िया लगाने की बात सोचता है और समुद्र में सुरंग बनाने की कल्पना करता है।पर व्यक्ति-निर्माण का काम शॉर्टकट मेथड से पलक झपकते ही हो जाए, यह संभव नहीं है। व्यक्तित्व निर्माण की बात होती है तो प्रश्न उठता है कि किस प्रकार का व्यक्तित्व? इस प्रश्न का समाधान है आध्यात्मिक वैज्ञानिक व्यक्तित्व।व्यक्तित्व निर्माण के इस अनुष्ठान में जिन वर्गों को सहभागी होना है, उनमें एक वर्ग है- स्नातक।

एक विद्यार्थी स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर का अध्ययन करने में अपने जीवन के सत्रह-अठारह वर्ष लगा देता है। उस समय उसके अभिभावकों के मन में यह भाव नहीं पैदा होता कि उसके ये वर्ष व्यर्थ तो नहीं बीत रहे हैं।क्योंकि डिग्री के साथ जीविका का संबंध जोड़ा जाता है।जीविका जीवन की अनिवार्यता है।लेकिन जीविका से अधिक मूल्यवान जीवन है।जीविका जीवन का साध्य नहीं साधन है।जीवन का साध्य है- विकास की यात्रा में अग्रसर होना। बुद्धि व्यक्तित्व का महज एक घटक है।उसका दूसरा घटक है प्रज्ञा।प्रज्ञा के जागरण से बौद्धिक विकास के साथ भावनात्मक विकास का संतुलन रहता है।जब ये दोनों विकास समानांतर

सरकार का ऑपरेशन कालनेमिः ढोंगी नकली पाखंडी साधु संतों में भारी हड़कंप

किशन सनमुखदास भावनानी

वैश्विक स्तरपर पूरी दुनियाँ में संभवतःभारत ही एक ऐसा देश है जिसकी देवभूमि पर, पग-पग पर आध्यात्मिक स्थल है, लोगों में भरपूर धार्मिक आध्यात्मिक आस्था श्रद्धा है, जो एक अच्छी बात है, अभी चल रही अमरनाथ यात्रा व कावड़ यात्रा में हम सभी यह देख रहे हैं ऐसे अनेंको अवसर प्रतिदिन अनेक राज्यों में आते रहते हैं जहां भक्तों की भीड़भाड़ लगी रहती है व सबसे अच्छी बात यह है कि आध्यात्मिक स्थल, ट्रस्ट, अनेकों सेवा समितियां व संस्थाओं द्वारा भक्तों की सेवा व ध्यान रखा जाता है, ठीक उसी तरह शासन प्रशासन भी भक्तों की सुरक्षा व व्यवस्था में पूर्ण सहयोग करता है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि सुरक्षा, सेवा, देखभाल कितनी में चाक चौबंद क्यों ना हो, कुछ ना कुछ लीकेजेस होते रहते हैं जिनमें भक्तों को बहुत परेशानी, ठगी, धोखाधड़ी का शिकार होना पड़ता है, जो उनसे इस आध्यात्मिक परिसर या बाहर में हो सकता है, उसी का संज्ञान लेकर उत्तराखंड सरकार ने ऑपरेशन कालनेमि चलाया है, जो मेरे विचार से बहुत ही शानदार पहल है, मैं इसआर्टिकल के माध्यम से सभी राज्यों के मुख्यमंत्रीयों से निवेदन, अनुरोध करना चाहूंगा कि, कालनेमि, इसका संज्ञान लेकर यह ऑपरेशन तुरंत लागू करें ताकि पूरे भारत में लागू हो जाए क्योंकि इस क्षेत्र में बहुत से देशी विदेशी अपराधिक छवि वाले भी घुसे हुए हैं, जिनकी दुकानदारी जोरों से चल रही है व भक्त ठगी धोखाधड़ी पाखंड का शिकार हो रहे हैं जिनका सटीक उदाहरण है कि, उत्तराखंड सरकार ने यह अभियान चलाकर तेजी से धरपकड़ कर एक ही दिन में 25 से अधिक ऐसे पाखंडी बाबाओं को गिरफ्तार किया गया है जिसमें एक पड़ोसी मुल्क का नागरिक भी शामिल है, इस अभियान की कढ़ाई को देखकर अब नकली बाबाओं में भारी हड़कंप मच गया है, व घरपकड़ के डर से भी अपने स्थान छोड़कर अन्य राज्यों की ओर रुख कर रहे हैं इसीलिए सभी राज्यों ने इसका संज्ञान लेकर इसी तरह का अभियान चलाने की जरूरत है, चूँकि आध्यात्मिक आस्था की प्रतीक भारतीय देवभूमि पर आस्था पूजा श्रद्धा के नाम पर ठगी व नकली बाबाओं पर शिकंजा कसा जा रहा है, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, सरकार का ऑपरेशन कालनेमि-ढोंगी नकली पाखंडी साधु संतों में भारी हड़कंप- सभी राज्यों ने इसका संज्ञान लेना समय की मांग है।

साथियों बात अगर हम ढोंगी नकली पाखंडी बाबाओं को समझने की करें तो, ढोंगी पाखंडी बाबा को होते हैं जिनके पास, न तो शिक्षा और ना ही किसी मंदिर या मठ का दस्तावेज है, ऐसे ही लोगों को पकड़ने के निर्देश दिए गए हैं, इसी के चलते शुक्रवार को देहरादून पुलिस ने ऐसे 25 लोगों को गिरफ्तार किया है, जिनके पास ना तो कोई ज्योतिष शास्त्र की शिक्षा है और ना ही उनके पास किसी मठिया मंदिर का कोई ऐसा दस्तावेज जिससे वह साबित कर पाए कि वह सही मायने में साधु या संत है, ऐसे लोगों को गिरफ्तार किया गया, इन पकड़े गए 25 ढोंगी बाबाओ मैं अनेकों राज्यों के लोग शामिल है, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान, असम, उत्तराखंड के लोग हैं। वहीं इन 25 लोगों में से एक व्यक्ति बांग्लादेश का मूल निवासी भी पाया गया है, पुलिस को अंदेशा है कि साधु संन्यासियों का वेश अपनाकर कई मुजरिम भी आम जनमानस के बीच मौजूद हो सकते हैं जिसको ध्यान में रखते हुए इस अभियान को आगे भी जारी रखने की बात कही गई है, इसमें सभी जिले के सभी पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वह अपने जिले में इस तरह के साधु-संतों का पेज धारण कर सड़क के किनारे या फिर गली मोहल्ले में घूमने वाले बाबो को भी चिन्हित कर पकड़े।

साथियों बात अगर हम उत्तराखंड में ढोंगी बाबाओ को पकड़ने ऑपरेशन कालनेमि की करें तो, देवभूमि कहे जाने वाले उत्तराखंड की छवि को धूमिल करने वाले पाखंडी बाबाओं के खिलाफ उत्तराखंड सरकार द्वारा सख्त रुख अपनाया गया है, इसी के तहत ऑपरेशन कालनेमि के नाम से एक अभियान की शुरूआत की गई है, इस अभियान के अंतर्गत जो भी लोग नकली साधु बन कर या साधुओं की वेशभूषा अपनाकर लोगों को ठगने का काम कर रहे हैं। देवभूमि उत्तराखंड में पग-पग पर आध्यात्मिक स्थल हैं, उसके बाहर साधु-संत और बाबा भी मौजूद रहते हैं, इनमें से कई तो सच्चे साधु-संत हैं लेकिन कई फर्जी भी, इन फर्जी बाबाओं के पास ज्ञान तो ना के बराबर होता है लेकिन आडंबर पूरा, अब उत्तराखंड पुलिस ने ऐसे फर्जी बाबाओं को धर-पकड़ के लिए एक विशेष अभियान छेड़ा है, ऑपरेशन कालनेमि इस ऑपरेशन के तहत देहरादून में 25 फर्जी बाबाओं को गिरफ्तार किया गया है ये सभी नकली साधु या बाबा आम लोगों को ठगने का काम कर रहे थे, पुलिस ने इन सभी लोगों को गिरफ्तार किया है, उन लोगों पर कठोर कार्रवाई करने के निर्देश राज्य सरकार ने दिए हैं, कुछ दिन पहले ही मुख्यमंत्री ने ऐसे लोगों को पकड़ने के लिए ऑपरेशन कालनेमि की शुरूआत थी, इसमें सभी जिले के सभी पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वह अपने जिले में इस तरह के साधु-संतों का पेज धारण कर सड़क के किनारे या फिर गली मोहल्ले में घूमने वाले बाबो को भी चिन्हित कर पकड़े, इस अभियान पर कार्यवाही करते हुऐ दून पुलिस को बड़ी कामयाबी हाथ लगी है. पुलिस द्वारा चलाए गए विशेष चेकिंग अभियान के दौरान 25 ऐसे बाबाओं को हिरासत में लिया गया है, जो कि किसी प्रकार के संगठन से जुड़े हुए दस्तावेज नहीं प्रस्तुत कर सके, पुलिस को अंदेशा है कि साधु संन्यासियों का वेश अपनाकर कई मुजरिम भी आम जनमानस के बीच मौजूद हो सकते हैं जिसको ध्यान में रखते हुए इस अभियान को आगे भी जारी रखने की बात कही गई है, इसमें सभी जिले के सभी पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वह अपने जिले में इस तरह के साधु-संतों का पेज धारण कर सड़क के किनारे या फिर गली मोहल्ले में घूमने वाले बाबो को भी चिन्हित कर पकड़े, इस अभियान पर कार्यवाही करते हुऐ दून पुलिस को बड़ी कामयाबी हाथ लगी है. पुलिस द्वारा चलाए गए विशेष चेकिंग अभियान के दौरान 25 ऐसे बाबाओं को हिरासत में लिया गया है, जो कि किसी प्रकार के संगठन से जुड़े हुए दस्तावेज नहीं प्रस्तुत कर सके, पुलिस को अंदेशा है कि साधु संन्यासियों का वेश अपनाकर कई मुजरिम भी आम जनमानस के बीच मौजूद हो सकते हैं जिसको ध्यान में रखते हुए इस अभियान को आगे भी जारी रखने की जरूरत है तथा इसे पूरे भारत में सभी राज्यों ने लागू करने की आवश्यकता है। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि पाखंड और अंधविश्वास के नाम पर जनता को गुमराह करने वालों की पहचान कर उनके खिलाफ तुरंत कानूनी कार्रवाई की जाए. उन्होंने कहा कि ऐसे लोगों की धार्मिक, जातीय या पंथीय पहचान की परवाह किए बिना राज्य सरकार जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाएगी और सख्त कदम उठाएगी, जनता से यह अपील गई गई है कि अगर उन्हें किसी भी फर्जी बाबा या ढोंगी के बारे में जानकारी हो, तो तुरंत प्रशासन को इसकी जानकारी दें, ताकि उनके विरुद्ध सख्त कदम उठाए जा सकें, सीएम ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि पाखंड और अंधविश्वास के नाम पर जनता को गुमराह करने वालों की पहचान कर उनके खिलाफ तुरंत कानूनी कार्रवाई की जाए, उन्होंने कहा कि ऐसे लोगों की धार्मिक, जातीय या पंथीय पहचान की परवाह किए बिना राज्य सरकार जीरो टॉलरेंस की नीतिअपनाएगी और सख्त कदम उठाएगी, जनता से यह अपील गई गई है कि अगर उन्हें किसी भी फर्जी बाबा या ढोंगी के बारे में जानकारी हो, तो तुरंत प्रशासन को इसकी जानकारी दें, ताकि उनके विरुद्ध सख्त कदम उठाए जा सकें।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि सरकार का ऑपरेशन कालनेमि- ढोंगी नकली पाखंडी साधु संतों में भारी हड़कंप- सभी राज्यों ने इसका संज्ञान लेना समय की मांग, आध्यात्मिक आस्था की प्रतीक भारतीय देवभूमि पर आस्था पूजा श्रद्धा के नाम पर ठगी करने वाले नकली बाबाओं पर शिकंजा कसना जरूरी, आध्यात्मिक आस्था व देवभूमि की छवि धूमिल करने वाले पाखंडी ढोंगी नकली बाबाओं की सफल धरपकड़-उत्तराखंड सरकार का कालनेमि ऑपरेशन सराहनीय है।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

अब वोटर बनने के लिए नागरिकता का शिगूफा!

डॉ. श्रीगोपाल नारसन

अब तक भारत में पहचान और नागरिकता साबित करने के लिए आधार कार्ड और पैन कार्ड को सबसे जरूरी दस्तावेज माना जाता था। लेकिन हाल ही में सरकार की नई घोषणा ने लोगों को चौंका दिया है। अब आधार और पैन की जगह दो नए दस्तावेजों को नागरिकता प्रमाण के तौर पर मान्यता दी जा रही है। यह बदलाव खासतौर पर उन लोगों के लिए फायदेमंद साबित हो सकता है जो आधार या पैन कार्ड नही बनवा पाए है।इन दो दस्तावेजों में राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर में नाम व नागरिकता प्रमाणपत्र को अब पहचान और नागरिकता के पुख्ता सबूत के रूप में स्वीकार किया जाएगा, खासकर सरकारी योजनाओं, पासपोर्ट आवेदन, नौकरी या बैंक खाता खोलने जैसे मामलों में ये दस्तावेज काम आएंगे।यदि आपका नाम राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर में में नहीं है, तब आप नागरिकता प्रमाणपत्र के माध्यम से अपनी नागरिकता साबित कर सकते हैं। यह प्रमाणपत्र केंद्र सरकार या राज्य सरकार द्वारा जारी किया जाता है।नागरिकता प्रमाणपत्र लेने के लिए जरूरी दस्तावेज में जन्म प्रमाणपत्र या स्कूल का प्रमाणपत्र,साथ ही माता-पिता की नागरिकता से जुड़े दस्तावेज,इसके लिए सन

1950 से पहले का कोई भी निवास प्रमाणपत्र जैसे जमीन का रिकॉर्ड, राशन कार्ड आदि जिसे शपथ पत्र व दो गवाहों द्वारा सिद्ध किया जा सकता है।दरअसल आधार कार्ड एक पहचान पत्र है, लेकिन यह नागरिकता का प्रमाण नहीं है।वही पैन कार्ड मुख्यतः टैक्स से जुड़ा दस्तावेज है, जो नागरिकता को प्रमाणित नही करता।जिन लोगो का आधार कार्ड या पैन कार्ड में नाम, जन्मतिथि या पता गलत है या जो सन 1950 से पहले के प्रवासी हैं या जिनके पूर्वज दूसरे देश से आए थे।या जो शरणार्थी है या फिर सीमावर्ती क्षेत्रों में रहते हैं और जिनका राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर में नाम नहीं है और अब तक कोई वैध नागरिकता प्रमाणपत्र जिन्होंने नही बनवाया।

उन सभी को तुरंत संबंधित दस्तावेज इकट्ठा करके अपना नाम राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर में नाम जुड़वाना चाहिए या नागरिकता प्रमाण पत्र प्राप्त करना चाहिए। इसके लिए हर राज्य में नागरिकता प्रमाणपत्र केंद्र बनाए जा रहे हैं।एनआरसी अपडेट करने की प्रक्रिया फिर से शुरू की जा रही है,जिसके लिएडिजिटल पोर्टल तैयार किया गया है, जहां से फॉर्म भरे जा सकते हैं।स्थानीय निकायों को निर्देश दिए गए हैं कि वे लोगों को उक्त दस्तावेज तैयार करने में मदद करें।सरकार ने अब तक भारत के प्रत्येक नागरिक को आधार कार्ड देने की मुहिम तो चलाई लेकिन नागरिकता प्रमाण पत्र के बारे में कभी नही सोचा गया। भले ही भाजपा ने सन 2014 के बाद अभी तक ज्यादातर चुनाव बिना किसी डर के जीते है लेकिन जब तीसरे आम चुनाव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 400 पार का नारा जनता ने नकार दिया तो भाजपा को सत्ता में बने रहने की फिक्र हुई और भाजपा सरकार के कहने पर पहली बार केंद्रीय चुनाव आयोग ने बिहार से मतदाताओं की नागरिकता जांचने की मुहिम शुरू की, जो अब सुप्रीम कोर्ट के सुनवाई दायरे में पहुंच गई है। यदि ये मुहिम भारत सरकार का गृह मंत्रालय उसी तर्ज पर चलाता जैसे कांग्रेस सरकार ने आधार पहचान पत्र के लिए देशव्यापी मुहिम चलाई थी,तब हम सब इसका समर्थन करते,लेकिन दुनिया के तमाम देशों में जन्मजात और अनुवांशिक नागरिकता प्रचलित है इसलिए सभी के पास अलग से कोई नागरिकता प्रमाण पत्र नही होता। नागरिकता प्रमाणपत्र उन्ही प्रदेशियों के लिए जारी किया जाता है जो इसके लिए बाकायदा आवेदन करते हैं। भारत में आमतौर से कोई भी शासकीय सुविधा या अधिकार पाने के लिए आयकर प्रमाण पत्र से ज्यादा महत्व आधार पहचान पत्र को दी जा रही है। ज्यादातर के पास वंशानुगत या जन्म आधारित नागरिकता है लेकिन इसका कोई प्रमाण पत्र भी किसी के पास नहीं है। हालांकि पासपोर्ट के आधार पर पूरी दुनिया देश के नागरिकों को भारतीय मानकर अपने यहां आने- जाने देती है, कारोबार करने देती है। लेकिन पासपोर्ट को अपने देश में नागरिकता का प्रमाण पत्र नहीं माना जाता। यदि विदेशी सरकारें भी भारत सरकार की तरह पासपोर्ट के आधार पर हमें भारतीय मानने से इंकार कर दें तो हम कहीं आ जा भी नही सकेंगे। यद्यपि पासपोर्ट जारी ही तब किया जाता है जब जन्म का, आवास का, संपत्ति का और पुलिस द्वारा चरित्र का सघन सत्यापन करा लिया जाता है, यही प्रक्रिया मतदाता पहचान पत्र जारी करने मे अपनाई जाती है। ऐसे में यदि बिहार या देश के किसी भी राज्य में जारी मतदाता पहचान पत्रों को संदिग्ध माना जा रहा है तो इसके लिए दोषी स्वयं केंद्रीय चुनाव आयोग है। चुनाव आयोग का बीएलओ से लेकर जिला स्तर का अधिकारी इस प्रक्रिया में दोषी है। क्योंकि उन्होंने ही एक लंबी प्रक्रिया के बाद आधार कार्ड आदि दस्तावेज बनवाये है।नागरिकता प्रमाण पत्र मुख्य रूप से उन लोगों को जारी किया जाता है जो जन्म, वंश, पंजीकरण, प्राकृतिकरण या क्षेत्रीय समावेशन के माध्यम से भारतीय नागरिकता प्राप्त करते हैं, नागरिकता अधिनियम, 1955 के मुताबिक, भारत में जन्मे अधिकांश लोग स्वतः नागरिक माने जाते हैं, और उनके लिए नागरिकता का प्रमाण आमतौर पर जन्म प्रमाण पत्र, पासपोर्ट, या अन्य दस्तावेजों जैसे आधार कार्ड, वोटर आईडी आदि के माध्यम से स्थापित किया जाता है। राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर बनाकर मौजूदा सरकार ने असम में एन आर सी प्रक्रिया के तहत नागरिकता सत्यापन करने का अभियान चलाया था जिसमें लगभग 1.9 मिलियन लोग नागरिकता साबित करने में असफल रहे है, लेकिन इनमें से किसी को भी देश निकाला नहीं दिया गया है। यही सब अब बिहार में बिना एन आर सी के करने की कोशिश की जा रही है।जिससे साफ है कि बिहार से भी किसी को नहीं निकाला जाएगा, केवल उनका मताधिकार छीना जाएगा ताकि वे भाजपा को न हरा सकें।वास्तविकता यह है कि भारत की कुल जनसंख्या लगभग 140 करोड़ है, इनमें से अधिकांश लोग जन्म के आधार पर स्वतः भारतीय नागरिक हैं।केवल उन लोगों को नागरिकता प्रमाण पत्र की आवश्यकता पड़ती है जो गैर-नागरिक पृष्ठभूमि से आते हैं या जिन्होंने पंजीकरण/प्राकृतिकरण के माध्यम से नागरिकता प्राप्त की है।ऐसे में आधार कार्ड ,पैन कार्ड आदि को दरकिनार कर नागरिक प्रमाण पत्र को आधार बनाकर वोटर तय करना आज के समय मे बेमानी ही कहा जायेगा।

(लेखक ज्वलंत मुद्दों के जानकार वरिष्ठ पत्रकार है)
(यह लेखक के व्य???क्तिगत ?विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अ?निवार्य नहीं है)

ताजपुर के व्यवसायी प्रभात रंजन गुप्ता चुने गये व्यवसायी महासंघ के राज्य परिषद सदस्य, बधाई!

13 जुलाई को पटना के रवींद्र भवन में स्थापना सम्मेलन में प्रभात रंजन गुप्ता को चुना गया व्यवसायी महासंघ का राज्य परिषद सदस्य

अमरदीप नारायण प्रसाद

ताजपुर/समस्तीपुरः- मिठाई व्यवसायी सह भाकपा माले प्रखंड कमिटी सदस्य सह खेग्रामस प्रखंड अध्यक्ष प्रभात रंजन गुप्ता व्यवसायी महासंघ के राज्य परिषद सदस्य चुने गये।

इस आशय की जानकारी देते हुए भाकपा माले प्रखंड सचिव सुरेंद्र प्रसाद सिंह ने बताया कि 13 जुलाई को पटना के रवींद्र भवन में बिहार के व्यवसायियों का स्थापना सम्मेलन में प्रभात रंजन गुप्ता को व्यवसायी महासंघ राज्य परिषद का सदस्य चुना गया। वे नवचयनित महासंघ के राज्य अध्यक्ष सह भाकपा माले सांसद सुधामा प्रसाद एवं सचिव शंभुनाथ मेहता मार्गदर्शन में समस्तीपुर के व्यवसायियों की सुरक्षा, सम्मान,

समस्याओं एवं अस्तित्वों के सवालों को प्रमुखता से जिला प्रशासन एवं सरकार के समक्ष उठाएंगे। प्रभात रंजन गुप्ता को महासंघ के राज्य परिषद सदस्य चुने जाने पर किसान नेता ब्रह्मदेव प्रसाद सिंह, राजदेव प्रसाद सिंह, मनोज कुमार सिंह, ललन दास, संजीव राय, आरवाईए के जिला अध्यक्ष आसिफ होदा, आरवाईए नेता मो० एजाज, मुकेश कुमार गुप्ता, भाकपा माले प्रखंड कमिटी सदस्य शंकर महतो, मुंशीलाल राय, मो० गुलाब, मो० क्यूम, मो० शकील, ऐपवा जिलाध्यक्ष बंदना सिंह आदि ने बधाई दिया है।

समस्तीपुर शहर के शेखटोली मे केस उठाने को लेकर किया जानलेवा हमला!

पुलिस मौके पर पहुंची तो पुलिस पर असामाजिक तत्वों ने किया हमला! 4 महिला एक पुरुष को नगर थाना ने किया गिरफ्तार!

अमरदीप नारायण प्रसाद

जमीन के आपसी विवाद मे शेखटोली के एक परिवार एक बार फिर मारपीट अधमरा कर दिया! बिहार से बाहर से कमा कर आते हैं तो वो अपने पुस्तैनी मकान पर जाते हैं लेकिन वहां उनके भाइयो ने परपीट कर भगा दिया तो उसने अपने चाचा के घर शेख टोली आये रहने उस वक्त भी मारपीट कर हॉस्पिटलयाज कर दिया था और एक बार फिर उसी कांड मे जो केस हुआ सभी मारपीट करने वाले पर तो के स उठाने के दबाव मे एक बार फिर जानलेवा हमला किया जिसमे सर मे कंभीर छोटे आई और दाँत टूटने की बात पीड़ित के पीटा ने बताया! उनका कहना हैं वो असामाजिक तत्व हैं जो बोलकर

घटना को अंजाम दिया हैं उसके ऊपर कठोर कानूनी कार्यवाई करने की जरूरत हैं वर्ना बड़ी घटना को अंजाम दे सकता हैं! पीड़ित साहेब नाम का उनका छोटा लड़का हैं जो बाहर कही पढ़ाई करता हैं!

अवैध रूप से शराब निर्माण करते मां और पुत्र गिरफ्तार

वीरपुर आपकी आवाज।

वीरपुर पुलिस ने सोमवार को गुप्त सूचना के आधार पर छापे मारी कर थाना क्षेत्र के कारीचक से मां और पुत्र को अवैध रूप से देशी शराब निर्माण करते मौके पर से गिरफ्तार करते हुए मामला दर्ज कर आगे कि कारवाई के लिए जेल भेज दिया है। इस संबंध में थाना अध्यक्ष संजीव कुमार ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि कारीचक निवासी भोला चौधरी की पत्नी मीरा देवी और पुत्र दीपक चौधरी मां बेटा अवैध रूप से देशी शराब खरीद बिक्री करने के लिए अवैध रूप से निर्माण कर रहा है। सुचना की सत्यापन और छापेमारी के लिए पुलिस पदाधिकारी अजय कुमार,ए एस आई डेविड हादसा और प्रमा पासवान के साथ पुलिस बल और ग्राम रक्षा दल के धिरज कुमार को भेजा गया। उक्त पदाधिकारियों के द्वारा छापेमारी में 30 लीटर तैयार देशी शराब के अलावे गैस सिलेंडर,चुल्हा, अन्य उपकरण के साथ मां और पुत्र को गिरफतार को गिरफ्तार किया गया।

पंजाब में पंचायत का फरमान... अवैध तौर पर रह रहे अप्रवासी एक सप्ताह में गांव छोड़ें

चंडीगढ़ (एजेंसी)। महाराष्ट्र के अंदर हिंदी बनाम मराठी का विवाद पैदा करने की कोशिशें बीते कुछ दिनों में हुई हैं। इसके अलावा राज ठाकरे की महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना ने उत्तर भारतीयों को भी निशाने पर लिया है। इस बीच पंजाब के फतेहगढ़ साहिब से भी इसतरह से खबरें आ रही है, जहां के एक गांव से प्रवासियों को निकलने का फरमान आया है। फतेहगढ़ साहिब जिले के गांव लखनपुर गारचा पट्टी की पंचायत ने गांव में रहने वाले प्रवासियों को एक सप्ताह के अंदर निकल जाने का फरमान दिया है। पंचायत ने प्रस्ताव पारित किया है कि गांव में काफी लोग अवैध तौर पर रहे हैं और इन्हें एक सप्ताह में निकलने का आदेश दिया है। स्थानीय पुलिस का कहना है कि उन्हें इस मामले की जानकारी नहीं है।

ग्रामीणों की पंचायत में पारित प्रस्ताव में बताया गया हैं कि ये प्रवासी लोग महिलाओं से बदसलूकी करते हैं। गांव के सरपंच बरिंदर सिंह बिंडा ने कहा कि ये प्रवासी लोग यहां खेतों में काम करने के लिए आए थे, लेकिन अब ये स्थायी तौर पर यहीं बस गए हैं। उन्होंने कहा कि

इसमें से तमाम इसतरह के लोग हैं, जो गांव में घूमते रहते हैं। सिगरेट और बीड़ी पीते हैं। इसके अलावा इनमें से कई लोगों को ड्रग्स की लत है और उसके प्रभाव में आकर ये लोग चोरियां तक कर रहे हैं। ड्रग तस्करी से भी इंकार नहीं कर सकते है। उन्होंने कहा कि तमाम प्रयासों के बाद भी इन पर लगाम नहीं लगी है। ऐसी स्थिति में हम गांव वालों ने प्रस्ताव पारित किया है कि ये लोग निकल ही जाएं।

सरपंच बिंडा ने कहा कि उन लोगों को ही यहां रुकने दिया जाएगा, जिनके पास आधार कार्ड हैं या फिर अन्य दस्तावेज हैं। बिना आईडी प्रूफ वाले लोगों को यहां रुकने की परमिशन नहीं होगी। ऐसा इसलिए ताकि कानून व्यवस्था से जुड़ी कोई समस्या यदि खड़ी होती है, तब उसके बारे में आसानी से पता लगाया जा सके। इस मामले में कुछ संगठनों ने दखल देने की कोशिश की है, लेकिन ग्रामीणों का कहना है कि आखिर इस बात की गारंटी कौन लेगा कि बिना किसी आईडी प्रूफ के यहां रहने वाले लोग कोई समस्या पैदा नहीं करेगा।

शिक्षा मंत्री प्रधान के बैनर पर पोती कालिख, सपा के तीन नेता गिरफ्तार

-स्कूल मर्जर नीति के खिलाफ हुआ विरोध प्रदर्शन और थाने का घेराव

प्रयागराज (एजेंसी)। शिक्षा मंत्रालय की स्कूल मर्जर नीति के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के दौरान शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के पोस्टर और बैनर पर कालिख पोतने के मामले में प्रयागराज पुलिस ने तीन समाजवादी पार्टी नेताओं को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पुलिस के मुताबिक, सिविल लाइंस स्थित सुभाष चौराहे पर प्रदर्शन के दौरान सपा छात्र सभा से जुड़े कार्यकर्ताओं ने बैनर पर कालिख पोती और शिक्षा बनाम मधुशाला जैसे नारों के साथ प्रदर्शन किया। इस घटना को गंभीर मानते हुए पुलिस ने तीन टीमों का गठन कर छपेमारी की और छात्र सभा के जिलाध्यक्ष शिवा केसरवानी, उपाध्यक्ष शिवा बागी, तथा सद्दाम अंसारी को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों के खिलाफ सरकारी बैनर को नुकसान पहुंचाने, शांति भंग करने और सरकारी कार्य में बाधा डालने के आरोप में केस दर्ज किया है। यहां गिरफ्तारी की सूचना मिलते ही सपा के वरिष्ठ नेता सिविल लाइंस थाने पहुंचे और गिरफ्तारी का विरोध किया। महानगर अध्यक्ष सैय्यद इफ्तेखार हुसैन और महासचिव रविंद्र यादव रवि की अगुवाई में बैठक कर इसे लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन बताया गया। प्रदर्शन के पीछे छात्रों और समाजवादी पार्टी की मांग है कि स्कूलों के विलय से गांवों और छोटे इलाकों में शिक्षा व्यवस्था प्रभावित होगी। अब इस मामले ने राजनीतिक रंग ले लिया है।

छांगुर बाबा का कुबूलनामा: अंतरराष्ट्रीय गिरोह के नेटवर्क की कमान संभालती थी नसरीन

नई दिल्ली(एजेंसी)। अवैध धर्मांतरण के मामले में धरे गए छांगुर बाबा ने अपनी करतूतों को कबूल लिया है। उन्होंने कबूला है कि दुबई और नेपाल में उसके गिरोह का सबसे ज्यादा नेटवर्क है। यहां की कमान नीतू उर्फ नसरीन ही संभाल रही थी। यहां से आने वाली रकम व संस्थाओं को सहयोग के लिए मददगार नीतू से ही सम्पर्क करते थे। रिमाण्ड अवधि के चौथे दिन एटीएस अफसरों से ऐसा ही छांगुर बाबा ने कहा। रविवार को भी सबसे ज्यादा सवाल विदेशी फंडिंग को लेकर हुए।

एटीएस ने जब पूछा कि दोनों व गिरोह के अन्य सदस्यों के कितने खाते कहां-कहां खुले हुए हैं। इस पर दोनों के विरोधाभासी जवाब थे। छांगुर ने कहा कि उसे सिर्फ अपने खाते के बारे में पता है। वहीं नीतू ने कहा कि छांगुर ही सारे खाते का हिसाब रखता था। वह अपने नाम से खुले आठ खातों के बारे में ही जानती है। उसके इन खातों में तीन अलग-अलग संस्थाओं के नाम से हैं। एटीएस ने धर्मांतरण से जुड़े कई सवाल किए। बताया जाता है कि एटीएस इन दोनों को आजमगढ़ व श्रावस्ती भी ले जा सकती है। एटीएस सूत्रों के मुताबिक

जैसे ही उससे धर्मांतरण के बारे में पूछा जाता है, वह एक ही रट लगाता है कि उसने एक भी अवैध धर्मांतरण नहीं कराया। सबने अपनी मर्जी से ही इस्लाम धर्म कुबूल किया। सालाना उर्स की बात पर उसने कहा कि सब कुछ सबके सामने होता था। दरगाह के पास सालाना उर्स में हर धर्म के लोग आते थे। जब उससे रुपये देकर इस्लाम धर्म कुबूलवाने की बात कही तो वह गोलमोल जवाब देने लगा। उसके सामने ही नीतू से पूछा गया कि रकम कहां-कहां खर्च करती थी। इस पर उसने छांगुर बाबा की तरफ इशारा करते हुए कहा कि ये ही तय करते थे कितनी रकम कहां खर्च की जानी थी। एटीएस रिमाण्ड पर पूछताछ के दौरान दोनों के गोलमोल जवाब देने पर वह सख्त भी हुई।

मजिस्द की चारदीवारी फांदकर नमाज पढ़ने पहुंचे उमर, नजर बंद करने का आरोप लगाया

-शहीद दिवस पर फातिहा पढ़ने से रोका गया

हरिद्वार (एजेंसी)। श्रीनगर,(ईएमएस)। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कथित तौर पर सुरक्षा बलों द्वारा रोकने के बाद मजार-ए-शोहदा की चारदीवारी फांदकर नमाज़ पढ़ी। सीएम अब्दुल्ला ने कहा कि उन्होंने मज़ार-ए-शोहदा आने से पहले किसी को सूचित नहीं किया था, क्योंकि उन्हें 13 जुलाई शहीद दिवस पर नज़रबंद किया गया था। जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री अब्दुल्ला ने कहा कि उन्हें सुरक्षा बलों के द्वारा रोकने की कोशिश की गई। इस मौके पर अब्दुल्ला के फारुक अब्दुल्ला भी मौजूद रहे। इस घटना का वीडियो भी सामने आया है। जिसमें उमर दीवार फांदकर अंदर जा रहे हैं। 13 जुलाई, 1931 को जम्मू-कश्मीर में शहीद दिवस के रूप में मनाया जाता है। यह डोगरा राजशाही के खिलाफ विद्रोह में मारे गए 22 नागरिकों की हत्या की याद में मनाया गया था।

मुख्यमंत्री अब्दुल्ला ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि जो लोग कानून-व्यवस्था बनाए रखने की ज़िम्मेदारी बताते हैं। उनके आदेश पर हमें कल फ़ातिहा पढ़ने की इजाज़त नहीं दी गई। सुबह से ही सभी को

नज़रबंद किया गया था। जब मैंने कंट्रोल रूम को बताया कि मैं यहां फ़ातिहा पढ़ने आना चाहता हूं। तब कुछ ही मिनटों में मेरे घर के बाहर बंकर लगा दिए गए। और वे रात के 12-1 बजे तक वहां रहे। आज मैं बिना किसी को बताए यहां आया था। आज भी उन्होंने हमें रोकने की कोशिश की। मैं जानना चाहता हूँ कि किस क़ानून के तहत मुझे रोका गया।

अब्दुल्ला ने कहा कि वे कहते हैं कि यह एक आज़ाद देश है, लेकिन वे सोचते हैं कि हम उनके गुलाम हैं। हम किसी के गुलाम नहीं हैं। हम सिर्फ़ यहां के लोगों के गुलाम हैं। हमने उनकी कोशिशों को नाकाम कर दिया। उन्होंने हमारा झंडा फाड़ने की कोशिश की। लेकिन हम यहां आए और फ़ातिहा पढ़ा। वे भूल जाते हैं कि ये कब्रें हमेशा यहीं रहेंगी।

अन्य नेताओं के दावे और प्रतिक्रियाएँ

उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी ने भी आरोप लगाया कि कश्मीर में उनके आधिकारिक आवास पर अधिकारियों ने ताला लगा दिया था। उन्होंने इसे लोकतंत्र के लिए खतरा बताया और जम्मू-कश्मीर के लिए राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग की।

पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने कहा कि उनकी पार्टी के नेताओं को पुलिस थानों में नज़रबंद कर दिया गया, जबकि अन्य को उनके घरों में बंद कर दिया गया। उन्होंने इन कार्रवाइयों को दमनकारी बताया और इनकी तुलना 13 जुलाई के शहीदों द्वारा लड़ी गई लड़ाई से की।

पीपुल्स कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष सज्जाद गनी लोन ने भी दावा किया कि उन्हें अपने घर से बाहर निकलने से रोका गया और उन्होंने 13 जुलाई को दिए गए बलिदान को कश्मीरियों के लिए पवित्र बताया।

भगवान श्री चित्रगुप्त रथयात्रा एक यादगार महोत्सव- सुधीर कुमार श्रीवास्तव

आज मुंडिया कला लुधियाना (पंजाब) स्थित भगवान श्री चित्रगुप्त वेलफेयर फेडरेशन (रजि) के प्रधान कार्यालय में वरिष्ठ पदाधिकारियों की आवश्यक बैठक सम्पन्न हुई जिसकी अध्यक्षता श्री सुधीर कुमार श्रीवास्तव ने की । बैठक में आगामी अगस्त माह में लुधियाना शहर में आयोजित "भगवान श्री चित्रगुप्त महोत्सव" की तैयारी की समीक्षा की गई । सभी पदाधिकारियों का बस कहना था कि भगवान श्री चित्रगुप्त जी के रथयात्रा में शामिल होने के लिए इतने फोन आ रहे हैं कि आगन्तुकों की संख्या का अनुमान नहीं लगाया जा सकता। सर्वप्रथम भगवान श्री चित्रगुप्त जी के रथयात्रा के मार्ग का निर्धारण किया गया जो करीब पांच किलोमीटर की होगी

नगर भ्रमण के दौरान विभिन्न संगठनों के लोग भजन कीर्तन करते हुए नगर भ्रमण करेंगे जिससे सभी आम लोगों समाज में भगवान श्री चित्रगुप्त के प्रति श्रद्धा विश्वास का जागरण होगा श्री सुधीर कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि ए रथयात्रा एक यादगार होगी और एक नई शुरूआत है । 15 अगस्त से श्रीमद्भागवत महापुराण कथा का शुभारंभ श्री सौरभ जी महाराज द्वारा होगा और पूणार्हुति 22 अगस्त को तदुपरांत भव्य रथयात्रा। 23 अगस्त को विभिन्न स्कूलों के बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम (गीत संगीत नृत्य) प्रस्तुत किया जाएगा। 24अगस्त को भगवान श्री चित्रगुप्त कथा, अतिथियों का सम्मान किया जाएगा।

श्री सुधीर कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि भगवान श्री चित्रगुप्त महोत्सव समारोह भगवान श्री चित्रगुप्त वेलफेयर फेडरेशन एवं मिशन टू करोड़ चित्रांश अंतर्राष्ट्रीय द्वारा संयुक्त रूप से किया जा रहा है संयोजक श्री सुधीर कुमार श्रीवास्तव एवं राजेन्द्र कर्ण जी हैं।

बैठक में सर्वश्री प्रदीप श्रीवास्तव, नागेन्द्र श्रीवास्तव, अभिशेष श्रीवास्तव, दिलीप श्रीवास्तव जी ने और डा. डी एन प्रसाद ने वीडियो काल से अपने विचार व्यक्त किए ।

श्रद्धांजलि सभा व कैंडल मार्च आयोजित

अंधराठाढ़ी, मधुबनी। पूर्व क्रिकेट खिलाड़ी , कॉमेंट्रेटर व शिक्षक भारतेंदु चौधरी के आकस्मिक निधन से शोकाकुल खेल प्रेमी एवं स्कूली बच्चों द्वारा अंधाराठाढी स्थित महंथ राज गिरि जमा दो हाई स्कूल के प्रांगण में रविवार की श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मौके पर वहाँ उपस्थित वक्ताओं ने कहा भारतेन्दु चौधरी एक समर्पित शिक्षक और उत्कृष्ट वक्ता होने के साथ-साथ एक बहुत अच्छे खिलाड़ी भी थे। उनका ज्ञान, स्पष्ट सोच, प्रेरणादायक शैली और खेलों के प्रति जुनून सभी को प्रेरित करता था। वे हमेशा विद्यार्थियों को न केवल पढ़ाई में बल्कि खेलों में भी आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करते थे।आज भले ही वे हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनके विचार, शिक्षाएं और खेलों के प्रति उनका उत्साह सदैव क्षेत्र

के बच्चों का मार्गदर्शन करता रहेगा। स्थानीय लोग उनके योगदान को कृतज्ञता एवं सम्मान के साथ याद करते रहेंगे। एक शिक्षक, एक खिलाड़ी और एक महान इंसान के रूप में उनकी विरासत हमेशा दिलों में जीवित रहेगी। दिवंगत शिक्षक के सम्मान में एक कैंडल मार्च भी निकला गया। नैना दत्त कॉलेज से निकाला गया कैंडल मार्च महंथ राज गिरि जमा दो हाई स्कूल पर जाकर समाप्त हुआ। इन कार्यक्रमों में भाग लेने बालों में पंसस कमलेश चौधरी कुंदन, राज कुमार राजा एवं पत्रकार विन्देश्वर चौधरी आदि के संयुक्त नेतृत्व में आयोजित इन कार्यक्रमों में मिथिला विद्यापीठ, खोपा के सैकड़ो स्कूली बच्चों के अलावे बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों ने भी इसमें बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया।

पूर्व शिक्षक भारतेंदु चौधरी की श्रद्धांजलि एवं कैंडल मार्च में सक्रिय भूमिका निभाने वाले अन्य प्रमुख लोगों में पूर्व मुखिया राजेश मिश्रा, राज नारायण जी, मुखिया राम गुलाम भंडारी, मुखिया संजय जी,व्यवसायी नथुनी झा, प्रशान्त जी,सुशील कुमार,सुजीत मिश्रा, बंटी अग्रवाल,शिक्षक केशव कुमार झा, अंजनी कुमार कर्ण, शिक्षक राजेश चौधरी, अनिल झा, मनीष झा, पूर्व मुखिया अरविंद चौधरी,मिथिला विद्यापीठ के निदेशक मुकुंद कुमार झा, शिक्षक कृष्णा प्रसाद, गीता नाथ झा, दानी दत्त झा, किशोर मिश्रा, विवेक कुमार, रमाकांत मिश्रा आदि प्रमुख थे।

2,46,464 गणना प्रपत्र (76.03%) को बी0एल0ओ0 ऐप के माध्यम से अपलोड किया जा चुका

शिवहर ब्यूरो अरुण कुमार साह

जिला शिवहरः जिला जन संपर्क कार्यालय,अर्हता तिथि 01.07.2025 के आधार पर विशेष गहन पुनरीक्षण, 2025 कार्यक्रम के अन्तर्गत दिनांक-25.06.2025 से बी०एल०ओ० के माध्यम से Pre-filled Enumeration Form घर-घर जाकर वितरित किया जा रहा है। साथ ही सभी वर्तमान निर्वाचकों को बी०एल०ओ० द्वारा उक्त फॉर्म को भरने की विधि बताई जा रही है एवं निर्वाचक के घर पर पुनरीक्षण संबंधी स्टीकर चिपकाया जा रहा है। अद्यतन 98.2% निर्वाचकों को Enumerntion Form हस्तगत करा दिया गया है।अबतक 2,59,920 (80.2%) भरा हुआ Enumerstion Form निर्वाचकों से प्राप्त किया गया है, जिसमें से 2,46,464 गणना प्रपत्र (76.03%) को बी०एल०ओ० ऐप के माध्यम से अपलोड किया जा चुका है। इसके अतिरिक्त जिला के सभी प्रखंडों में ऑपरेटर की सहायता से भी गणना प्रपत्रों को अपलोड कराया जा रहा है।बी०एल०ओ० ऐप पर अपलोड किये गये सभी निर्वाचकों का नाम 01 अगस्त, 2025 को प्रकाशित होने वाले प्रारूप निर्वाचक सूची में प्रदर्शित होगा। जिन योग्य निर्वाचकों का नाम प्रारूप निर्वाचक सूची में प्रदर्शित नहीं हो सकेगा वे दिनांक-01.08.2025 से 01.09.2025 के मध्य प्रारूप-6 के साथ घोषणा पत्र (Annexure-D) संलग्न कर अपना नाम निर्वाचक सूची में पंजीकृत करा सकेंगे।22-शिवहर विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र के सभी 3,24,095 निर्वाचकों एवं बी०एल०ओ० के सहयोग हेतु 2,207 Volunteers प्रतिनियुक्त किये गये हैं, जो फॉर्म भरने में निर्वाचकों को सहयोग कर रहे हैं। सभी विद्यालयों, पंचायत सरकार भवनों, आँगनबाड़ी केन्द्रों आदि अन्य स्थानों पर "निर्वाचक सुविधा केन्द्र" बनाया गया है, जहाँ 2003 के निर्वाचक सूची की मुद्रित प्रति एवं प्रिन्टर उपलब्ध कराया गया है।जिला सम्पर्क केन्द्र (DCC) (टॉल-फ्री नं0-1950) प्रातः 07:00 बजे रात्रि 10:00 बजे तक दो पालियों में कार्यरत है। जिला सम्पर्क केन्द्र (DCC) में भी निर्वाचक सहायता केन्द्र बनाया गया है, जहाँ मुद्रित निर्वाचक सूची रखी गई है। Enumeration Form अपलोडिंग के क्रम में भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली द्वारा निर्गत दिशा-निदेशों का दृढ़तापूर्वक अनुपालन किया जा रहा है। 22-शिवहर विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र अन्तर्गत अबतक कुल 33 बी०एल०ओ० द्वारा 90% से अधिक तथा 107 बी०एल०ओ० के द्वारा 80-90% तक गणना प्रपत्र अपलोड किया जा चुका है।शिवहर जिला के सभी नागरिकों से अपील किया जाता कि वे स्वयं से भी वेब पोर्टल voters.eci.gov.inके माध्यम से अपना गणना प्रपत्र अपलोड करें ताकि 01 अगस्त, 2025 को प्रकाशित होने वाले प्रारूप निर्वाचक सूची में उनका नाम प्रदर्शित हो सके। प्रारूप मतदाता सूची में नाम सम्मिलित कराने के लिए मतदाताओं को अपना गणना प्रपत्र वांछित दस्तावेजों के साथ समय पर जमा करना अनिवार्य है, यदि किसी मतदाता को दस्तावेज जमा करने में अधिक समय चाहिए तो वह गणना प्रपत्र पहले जमा कर सकता तथा दस्तावेज 30 अगस्त, 2025 अर्थात दावा/आपत्ति के अंतिम तिथि तक जमा कर सकता है। शिवहर जिला प्रशासन प्रत्येक योग्य निर्वाचक से भरा हुआ गणना प्रपत्र प्राप्त कर उसे विभिन्न माध्यमों से अपलोड करने एवं दिनांक-01 अगस्त, 2025 को प्रकाशित होने वाले प्रारूप मतदाता सूची में नाम सम्मिलित करने हेतु प्रतिबद्ध है।

जदयू नेता उमेश सिंह पटेल बने बेगूसराय विधानसभा प्रभारी, जदयू कार्यालय में हुआ भव्य स्वागत

खगड़िया/ जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने मथुरापुर निवासी और जदयू जिला उपाध्यक्ष सह अतिपिछड़ा प्रकोष्ठ के प्रदेश महासचिव उमेश सिंह पटेल को बेगूसराय (मुख्यालय) विधानसभा का नया विधानसभा प्रभारी मनोनीत किया है। इस महत्वपूर्ण नियुक्ति के बाद सोमवार को जिला मुख्यालय स्थित जदयू कार्यालय के कपूर्री सभागार में उनका भव्य स्वागत सम्मान समारोह आयोजित किया गया, जहां उमेश को बधाई देने वालों में जिले भर से कार्यकताओं और नेताओं का तांता लगा रहा। समारोह में उमेश सिंह पटेल को अंगवस्त्र, बुके और माला पहनाकर स्वागत और अभिनन्दन किया गया। इस अवसर पर जदयू जिला अध्यक्ष बबलू कुमार मंडल ने कहा कि पार्टी को लंबे समय से ऐसे अनुभवी और निष्ठावान कार्यकर्ता की तलाश थी। उन्होंने कहा कि पटेल न केवल चुनावी रणनीति में पारंगत हैं, बल्कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के सुशासन मॉडल को प्रभावशाली ढंग से मंच और मीडिया पर प्रस्तुत करने की कला में भी दक्ष हैं। बबलू मंडल ने आगे कहा कि ह्लपटेल जी के मनोनयन से यह संकेत मिलता है कि पार्टी पूरी मजबूती के साथ 2025 के

विधानसभा चुनाव की तैयारी में जुट गई है और नीतीश कुमार के नेतृत्व में 2025 से 2030 तक सुशासन के नए अध्याय की नींव रखी जाएगी। जहां जदयू अतिपिछड़ा प्रकोष्ठ के प्रदेश उपाध्यक्ष पंकज कुमार पटेल ने कहा कि उमेश सिंह पटेल का यह मनोनयन जदयू की आगामी चुनावी तैयारियों को नई दिशा देने वाली मानी जा रही है। वहीं अतिपिछड़ा प्रकोष्ठ के प्रदेश महासचिव उमेश सिंह पटेल ने इस मौके पर कहा कि जो जिम्मेदारी उन्हें दी गई है, उसे वे पूर्ण निष्ठा और ईमानदारी से निभाएंगे। उन्होंने बेगूसराय विधानसभा प्रभारी बनाए जाने के लिए जिला अध्यक्ष बबलू मंडल का विशेष आभार जताया और कहा कि वे स्थानीय दबावों से मुक्त रहकर पूरी तरह पार्टी हित में कार्य करेंगे। समारोह में जदयू के जिला प्रवक्ता आचार्य राकेश पासवान शास्त्री, जिला कोषाध्यक्ष संदीप केडिया, जिला उपाध्यक्ष रामविलास महतों, जिला महासचिव राजीव रंजन, मानसी प्रखंड अध्यक्ष राजनीति प्रसाद सिंह, महासचिव अंगद कुमार, प्रमोद सिंह महंत, कार्यालय प्रभारी राजीव कुमार ठाकुर, अतिपिछड़ा प्रकोष्ठ के प्रदेश सचिव धर्मेंद्र महतों, हरिशंकर सिंह,भूषण कुमार, नरेश कुमार एवं संजय कुमार आदि उपस्थित जदयू नेताओं और कार्यकताओं ने पटेल के साथ-साथ मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, राष्ट्रीय अध्यक्ष ललन सिंह, राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा, महासचिव मनीष वर्मा, प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा और जिला अध्यक्ष बबलू मंडल को भी बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

अखिल भारतीय बिद्यार्थी परिषद का कार्यशाला आयोजित

अंधराठाढ़ी, मधुबनी।

प्रखंड मुख्यालय बाजार स्थिते प्लस टू एम आर जी विद्यालय परिसर में रविवार को अभाविप सदस्यों को

एक कार्यशाला आयोजित किया गया।

यह कार्यशाला

परिषद के संगठनात्मक जिला झंझारपुर स्तरीय था।इसमें सदस्ता अभियान की रणनीति, लक्ष्य निर्धारण और कार्यकताओं की सक्रिय भूमिका पर चर्चा की गई। संगठनात्मक जिला झंझारपुर की सदस्यता का लक्ष्य फिलहाल 8,000 निर्धारित किया गया है जिसे सफलतापूर्वक प्राप्त करने के लिए सभी कार्यकताओं को सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया गया। मुख्य रूप से उत्तर बिहार प्रांत के

खेलो भारत के प्रांत सह संयोजक विष्णु विज्ञान झा ने कहा कि अभाविपे केवल एक छात्र संगठन नहीं, बल्कि यह एक राष्ट्रवादी विचारधारा से प्रेरित युवाओं का आंदोलन है।

मौके परे मधुबनी, झंझारपुर के विभाग संयोजक रोहित कुमार, जिला संयोजक निखिल कुमार, जिला सह संयोजक निरंजन झा , प्रांत कार्यकारिणी सदस्य नटवर कुमार , केतन राज , परमानंद झा, लौकही इकाई के नगर मंत्री धर्मेंद्र यादव , पूर्व प्रांत कार्यकारिणी सदस्य नितीश कुमार, दिव्यानी मेहता , सत्यम चौधरी ,सौरव सिंह , सरोज राम , दिव्यांशु मेहता, गौरव कुमार, आयुष पाठक, नीतीश झा, जयदीप कुमार, धीरज कुमार, देवेंद्र कुमार, अमर कुमार, सुनील कुमार भगवान जी , आदित्य कुमार, केशव झा ,ऋषि कुमार, पूर्वभास्कर आदि मौजूद थे।

एनसीसी कैडेट्स ने उठाई बच्चों की आवाज

मधेपुरा कॉलेज में बाल अधिकार एवं संरक्षण पर संगोष्ठी आयोजित

मधेपुरा। 17 बिहार बटालियन एनसीसी, मधेपुरा कॉलेज के कैडेट्स द्वारा महाविद्यालय सभागार में ह्लबाल अधिकार एवं बाल संरक्षणह्व विषयक एक प्रेरणादायी संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि बिहार राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग, पटना के सदस्य डॉ. सुग्रीव दास ने बच्चों के अधिकारों और उनके संरक्षण की महत्ता पर विस्तार से प्रकाश डाला।

बच्चों का भविष्य सुरक्षित रखना हम सभी की जिम्मेदारी झ्र डॉ. सुग्रीव दास

डॉ. दास ने कहा, ह्लबच्चों का भविष्य हमारे हाथों में है। वे समाज की नींव हैं, और यह हमारा कर्तव्य है कि हम उन्हें एक सुरक्षित, स्वस्थ और खुशहाल जीवन सुनिश्चित करें।ह्व उन्होंने बाल श्रम, बाल विवाह और बाल तस्करी जैसी सामाजिक बुराइयों को समाप्त करने के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि बच्चों को शिक्षा, स्वास्थ्य सुविधा और सही देखभाल मिलनी चाहिए। साथ ही, बाल अधिकारों के प्रति समाज को जागरूक करने की

आवश्यकता भी रेखांकित की।

बाल अधिकार मानवाधिकार का हिस्सा हैं झ्र कुलपति डॉ. अशोक कुमार

श्री कृष्ण विश्वविद्यालय के कुलपति एवं मधेपुरा कॉलेज के संस्थापक प्राचार्य डॉ. अशोक कुमार ने संयुक्त राष्ट्र बाल अधिकार समझौते (उफ्ठ) की चर्चा करते हुए बताया कि यह 1992 में भारत द्वारा अंगीकृत किया गया था, जो 18 वर्ष से कम उम्र के प्रत्येक बच्चे को समान अधिकार प्रदान करता है। उन्होंने इसे एक वैश्विक कानूनी ढांचा बताया जो बच्चों को जीवन, विकास, सुरक्षा और भागीदारी के अधिकार देता है।

बच्चों को सुरक्षित वातावरण देना हमारी सामाजिक जिम्मेदारी झ्र प्राचार्य डॉ. पूनम यादव

कॉलेज की प्राचार्य डॉ. पूनम यादव ने कहा कि बाल संरक्षण का तात्पर्य है बच्चों को शोषण, दुर्व्यवहार, उपेक्षा और हिंसा से सुरक्षित रखना। हर बच्चे को एक ऐसा वातावरण मिलना चाहिए जिसमें वह न केवल सुरक्षित हो, बल्कि अपने सर्वांगीण विकास की ओर अग्रसर हो सके।

कैडेट्स ने रखा विचार, बढ़ाया उत्साह

संगोष्ठी के दौरान कैडेट्स विकास कुमार, अनु कुमारी, साक्षी कुमारी, सुनैना कुमारी, और अंशु कुमारी ने विषय से संबंधित अपने विचारों को प्रभावी रूप से प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम का संचालन सिंडिकेट सदस्य मेजर गौतम कुमार ने किया और अंत में धन्यवाद ज्ञापन कैडेट विकास गिरी द्वारा दिया गया।

मिथिलांगन ने आयोजित किया वार्षिक ग्रीष्मकालीन खेल प्रतियोगिता

बिहार के मैथिली भाषा भाषियों की सामाजिक, साहित्यिक एवं सांस्कृतिक संस्था मिथिलांगन द्वारा अन्य वर्ष की भांति इस वर्ष भी ग्रीष्म ऋतु का विशेष कार्यक्रम खेल प्रतियोगिता का आयोजन नई दिल्ली स्थित मिथिलांगन के देवेश्वरी भवन में आयोजित किया गया । श्री हिरेन्द्र लाल दास ट्रॉफी के इस कैरम एवं शतरंज खेल प्रतियोगिता में कुल 24 प्रतिभागियों में पुरूषों के अलावा महिलाओं और उत्साही बाल प्रतिभागियों ने अपने उत्कृष्ट प्रतिभा का प्रदर्शन किया। खास करके शतरंज के प्रति बच्चों एवं महिलाओं का उत्साह कार्यक्रम को और भी रोमांचक बना दिया। इसके अतिरिक्त मिथिलांगन अपने साहित्यिक एवं सामाजिक दायित्वों का निर्वहन करते हुए मधुबनी ज़िले की श्रीमती मुन्नी कामत, जो फुलपरास के सुरियाही गाँव से हैं, को उनकी मैथिली बाल कथा संग्रह 'चुक्का' के लिए साहित्य अकादमी बाल साहित्य पुरस्कार से सम्मानित किये जाने की सुखद घोषणा के आलोक में मिथिलांगन के अध्यक्ष श्री कमलेश कुमार दासद्वारा उपाध्यक्ष एवं सचिव जी की उपस्थिति में सम्मान किया गया। जिसमें उन्हें मिथिलांगन का प्रतीक चिन्ह उपहार स्वरूप भेंट किया गया। खेल प्रतियोगिता के बाद सभी प्रतिभागियों को उन्हें श्री हिरेन्द्र लाल दास ट्रॉफी से पुरस्कृत किया गया एवं मिथिलांगन के माननीय सचिव श्री निर्भय कुमारजी ने सभी खेल प्रतियोगियों को उनके योगदान के लिए लिए शुभकामना दिया। मिथिलांगन के महिला एवं बाल विकास प्रभारी श्रीमती दीपाली कर्णजी ने अगले वर्ष बाल एवं महिला प्रतिभागियों की संख्या में

वृद्धि करने का भरोसा दिलाया। अन्त में मिथिलांगन के आयोजन समिति द्वारा मिथिला का प्रसिद्ध भोजन चूड़ा दही आम के उत्कृष्ट भोजन के साथ कार्यक्रम समपन्न हुआ। इस अवसर पर मिथिलांगन के सांस्कृतिक सदस्य श्री यश दास, पीयूष चन्द्र दास एवं भव्य दास ने श्रीमती मुन्नी कामत के सम्मान एवं मैथिली गीत प्रस्तुत किया।

"सियासी नाटक का पदार्फाश: रागिब उर्फ.चुन्ना का तस्लीमुद्दीन परिवार से अब कोई रिश्ता नहीं!"

"सात साल पहले टूटा था रिश्ता, अब सस्ती लोकप्रियता के लिए पूर्व गृह राज्य मंत्री के नाम का हो रहा दुरुपयोग"

जोकीहाट, अररिया : एआईएमआईएम नेता और जोकीहाट नगर पंचायत से मुख्य पार्षद पद के हारे हुए उम्मीदवार रागिब सदा उर्फ. चुन्ना को लेकर बड़ा खुलासा सामने आया है। चुन्ना, जिनका नाम अक्सर सीमांचल के गांधी कहे जाने वाले मरहूम तस्लीमुद्दीन साहब के परिवार से जोड़ा जाता रहा है, अब उस परिवार से किसी भी प्रकार का रिश्ता नहीं रखते।

पारिवारिक सूत्रों के अनुसार, तस्लीम बाबू की बेटी से उनकी शादी जरूर हुई थी, लेकिन वह रिश्ता सात साल पहले ही टूट गया। अब उनकी पूर्व पत्नी अपने मायके

सिसौना में रहती हैं, एक बच्ची को गोद लिया है और पेशे से शिक्षिका हैं। स्थानीय ग्रामीणों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने चुन्ना द्वारा बार-बार पूर्व मंत्री के परिवार का नाम घसीटने को ह्यसस्ती लोकप्रियता की घटिया राजनीतिह्न करार दिया है। लोगों का कहना है झ ह्लजब पत्नी ने अपने पति से फोला ले लिया तो कौन सा रिश्ता बचा? राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, चुनाव में हार के बाद खुद को प्रासंगिक बनाए रखने के लिए चुन्ना गलत नैरेटिव गढ़ रहे हैं, जो लोकतंत्र और जनता के साथ धोखा है।

साफ संदेश:

"रिश्ता टूटा, रिश्ता खत्म – नाम जोड़ना अब धोखा है!"

चुन्ना को जनता को गुमराह करने की बजाय सच स्वीकार करना चाहिए।

पिपराही प्रखंड सह अंचल कार्यालयों में स्वच्छता की जिम्मेदारी जीविका दीदियों को मिली

शिवहर ब्यूरो अरुण कुमार साह

जिला शिवहरः पिपराही प्रखंड सह अंचल कार्यालय परिसर में स्वच्छता (हाउसकीपिंग) सेवाओं की औपचारिक शुरूआत जिला परियोजना प्रबंधक गुलाम कौसर, प्रखंड विकास पदाधिकारी आदित्य सौरभ,जागृति जीविका महिला विकास स्वावलंबी सहकारी समिति की अध्यक्ष रिंकू कुमारी,एवं प्रखंड परियोजना प्रबंधक रंजीश कुमार, की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न हुई। इस अवसर पर प्रखंड विकास पदाधिकारी श्री सौरभ ने कहा कि जीविका आज हर क्षेत्र में मिसाल बन चुकी है। जीविका दीदियों ने जिस समर्पण और कुशलता से कार्य किया है, वह सराहनीय है। उन्होंने कहा, "स्वच्छता का कार्य अत्यंत महत्वपूर्ण है।कहा भी जाता है कि जहां स्वच्छता होती है, वहीं ईश्वर का वास होता है। दीदियां कार्यालय परिसर की सफाई इस तरह करें कि यहां आने वाले प्रत्येक व्यक्ति को

स्वच्छ और सकारात्मक वातावरण का अनुभव हो।"जिला परियोजना प्रबंधक गुलाम कौसर,ने इसे जिले के लिए एक ऐतिहासिक पहल बताया।उन्होंने कहा,"पिपराही प्रखंड सह अंचल कार्यालय, जिले का पहला ऐसा कार्यालय है जहां स्वच्छता कार्य की जिम्मेदारी जीविका समूह को सौंपी गई है। इससे न केवल दीदियों को रोजगार मिलेगा, बल्कि यह कार्य भी मानक के अनुरूप निष्पादित होगा।" उन्होंने आशा व्यक्त की कि दीदियां लगन और ईमानदारी से कार्य करते हुए इस पहल को आदर्श बनाएंगी।

प्रखंड परियोजना प्रबंधक रंजीश कुमार ने बताया

कि जागृति जीविका महिला विकास स्वावलंबी सहकारी समिति लिमिटेडह्न को इस कार्य के लिए नोडल संस्था के रूप में नामित किया गया है। इस पहल के अंतर्गत पाँच जीविका दीदियों को नियमित रूप से कार्य मिलेगा, जिससे उनके परिवार की आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

इस शुभ अवसर पर युवा पेशेवर (पशुधन) दीपक कुमार, प्रबंधक (सामाजिक विकास) ओसामा हसन, सामुदायिक समन्वयक धीरज कुमार,आलोक कुमार,मधुसूदन राम सहित कई जीविका कर्मी एवं समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

शांति, सौहार्द और एकता की ओर बढ़ा एक मजबूत कदम

अररिया के शहजाद अहमद बने 'वर्ल्ड पीस हार्मनी' के बिहार प्रदेश अध्यक्ष — चेयरमैन हाजी शकील सैफी ने सौंपी ऐतिहासिक जिम्मेदारी

नई दिल्ली/अररिया

देशभर में शांति, भाईचारे और वैश्विक समरसता के मिशन पर कार्य कर रहे प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय संगठन 'वर्ल्ड पीस हार्मनी' ने बिहार की कमान एक नई सोच, ऊर्जा और ज़िम्मेदारी के साथ सौंपी है। इस क्रम में वार्ड नंबर 19, आजाद नगर, अररिया, बिहार के निवासी जनाब शहजाद अहमद को संगठन का बिहार प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति संगठन के चेयरमैन हाजी शकील सैफी द्वारा आधिकारिक पत्र जारी कर की गई है।

"सेवा, समर्पण और शांति का प्रतीक है यह पद" झ चेयरमैन हाजी शकील सैफी

चेयरमैन ने अपने पत्र में कहाः

> हमें बेहद खुशी है कि शहजाद अहमद जैसे युवा, समर्पित और सामाजिक रूप से सक्रिय व्यक्तित्व को यह जिम्मेदारी दी गई है। हमें पूरा विश्वास है कि वे बिहार में संगठन के उद्देश्यों को मजबूती से आगे बढ़ाएंगे और वर्ल्ड पीस हार्मनी का झंडा बुलंद करेंगे।ह्न

उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यह

मानद (Honorary) पद है, जिसमें सेवा और समर्पण ही मुख्य मूल मंत्र हैं। साथ ही, यह जिम्मेदारी अस्थायी नहीं, बल्कि विश्वव्यापी मिशन का हिस्सा है।

क्या है वर्ल्ड पीस हार्मनी?

> "भारत माँ के चार सिपाही झ हिन्दू, मुस्लिम, सिख, ईसाई" की विचारधारा से प्रेरित इस संगठन का उद्देश्य है भारत समेत विश्वभर में शांति, भाईचारे, धार्मिक सहिष्णुता, और सामाजिक समरसता का वातावरण तैयार करना।

संगठन के मुख्य संरक्षक हैं भारत सरकार के केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री श्री नितिन गडकरी।

नियुक्ति की मुख्य बातेंः

- शहजाद अहमद को वर्ल्ड पीस हार्मनी बिहार प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया गया
- यह पद पूरी तरह मानद है, सेवा भावना आवश्यक
- संगठन समय-समय पर रिपोर्ट दिल्ली मुख्यालय को भेजने की अपेक्षा रखता है
- वर्ल्ड पीस हार्मनी को आवश्यकता अनुसार किसी भी पदाधिकारी को दायित्वमुक्त करने का अधिकार है
- संगठन का मूल उद्देश्यः वैश्विक शांति, सांप्रदायिक सौहार्द, भाईचारा और मानवीय एकता को बढ़ावा देना

नए अध्यक्ष शहजाद अहमद ने क्या कहा?

नियुक्ति की सूचना मिलने के बाद शहजाद अहमद ने कहाः

> "यह सिर्फ एक पद नहीं, बल्कि जिम्मेदारी है – भारत की विविधताओं को एकता में बदलने की। मैं हर धर्म, जाति, वर्ग और क्षेत्र के लोगों को जोड़कर वर्ल्ड पीस हार्मनी के मिशन को बिहार में एक आंदोलन की शक्ल दूँगा। यह मेरे लिए गर्व, सेवा और संघर्ष तीनों का संगम है।"

नफरत को नहीं, मोहब्बत को मिलनी चाहिए तालीह्न

बिहार से उठेगी अब शांति की नई आवाज झ शहजाद अहमद

मुख्यालय का पताः

प्लॉट नंबर 100, निहाल विहार, नांगलोई, दिल्ली 110041

स्थानीय संपर्कः वार्ड नंबर 19, आजाद नगर, अररिया, बिहार झ 854311

"शांति का संदेश, पूरे देश"

अब बिहार बोलेगा झ वर्ल्ड पीस हार्मनी"ज़िंदाबाद!"

फारबिसगंज बना नेत्रदान की ज्योति-स्थली

दधीचि देहदान समिति और तेरापंथ युवक परिषद की पहल से हुआ 18वां सफल नेत्रदान

फारबिसगंज। जहाँ एक ओर दुनिया जीवन की समाप्ति पर आंसू बहाती है, वहीं फारबिसगंज में एक परिवार ने अपने प्रियजन की अंतिम इच्छा को पूरी कर किसी और की दुनिया रौशन कर दी।

स्व. मोतीलालजी बेद के निधन के उपरांत उनके परिजनों ने नेत्रदान की स्वीकृति देकर मानवता की एक मिसाल कायम की। यह फारबिसगंज का 18वां सफल नेत्रदान था – और यह साबित करता है कि समाज अब नई सोच की ओर बढ़ रहा है।

मरणोपरांत जीवन की रौशनी बने मोतीलाल जी

प्रदीप बेद, उपेंद्र बेद, एवं ममता डाकलिया — तीनों ने मिलकर अपने पिताजी की अंतिम इच्छा को सम्मान देते हुए नेत्रदान की स्वीकृति दी। मोतीलालजी ने कुछ दिन पहले ही नेत्रदान फॉर्म भरकर यह संकल्प लिया था। उनकी इस आत्मीय भावना को कटिहार मेडिकल कॉलेज की डॉक्टरों की टीम – डॉ. अतुल मिश्रा, डॉ. हामिद अनवर, डॉ. मासूम वारिस खान, और डॉ. अभिनव – ने आकर साकार किया।

संस्थाएं बनीं सहारा, जागरूकता बन रही बदलाव की नींव

इस पुनीत कार्य को सफल बनाने में दधीचि देहदान समिति के जिलाध्यक्ष आजातशत्रु अग्रवाल और तेरापंथ युवक परिषद अध्यक्ष आशीष गोलछा के नेतृत्व में सामाजिक कार्यकर्ताओं ने अहम भूमिका निभाई। आजातशत्रु अग्रवाल ने कहा,

> "अब समाज नेत्रदान को लेकर जागरूक हो रहा है। भ्रांतियों की जगह भरोसा ले रहा है – और यह भरोसा ही परिवर्तन की पहली सीढ़ी है।"

उन्होंने फारबिसगंज में स्थायी आई बैंक और नेत्र संग्रह केंद्र की मांग को भी दोहराया और बताया कि स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय को इस विषय में पूर्व में ज्ञापन सौंपा जा चुका है।

सेवा की लौ से जलेगी दृष्टि की ज्योति – आशीष गोलछा

तेरापंथ युवक परिषद के अध्यक्ष आशीष गोलछा ने कहा,

> एक व्यक्ति की आंखें किसी अजनबी के जीवन को नई दृष्टि दे सकती हैं। यही सेवा, यही संस्कार और यही सच्चा संगठन है।

वहीं नेत्रदान संयोजक पंकज नाहटा ने बताया कि

> "नेत्रदान मरणोपरांत जीवन का सबसे उज्ज्वल अध्याय बन सकता है – एक ऐसा अध्याय, जिसे कोई कभी नहीं भूलता।"

जन समर्थन और जागरूकता की जीत

इस भावुक अवसर पर पीयूष डागा, पप्पू लड्ढा, अखिलेश देव, राहुल ठाकुर, पूनम पांडिया, विनोद चौखानी, हरेंद्र फिटकरीवाला, दिनेश यादव, अशोक दफ्तरी, धर्मचंद बेद, निर्मल बेद समेत शहर के अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे।

> उल्लेखनीय है कि यह महज एक माह में फारबिसगंज का तीसरा नेत्रदान है। इससे पहले स्व. किशनलाल भंसाली और स्व. उमेश प्रसाद विश्वास ने भी इस पुनीत कार्य में भाग लिया था।

- नेत्रदान - वो पुण्य जो मृत्यु के बाद भी किसी की जिंदगी रोशन करता है!

फारबिसगंज के मोतीलालजी ने जो छोड़ा, वह सिर्फ आंखें नहींह्न वो उम्मीद थी, उजाला था, उज्जवल भविष्य था।

समस्तीपुर शहर के थानेश्वर धाम मे शावन की पहली सोमवारी पर श्रद्धांलुओं की उमड़ी भाड़ी भीड़

सोना चाँदी पहन कर मंदिर मे प्रवेश वर्जित किया गया! हिदायत के बावजूत गहना पहनी,एक महिला का सोने का चैन हुआ चोरी!

अमरदीप नारायण प्रसाद

समस्तीपुर शहर के सुप्रसिद्ध थानेश्वर धाम मंदिर मे श्रद्धांलुओं का लगा ताँता नगर निगम एवं नगर थाना के तरफ से शावन की पहली सोमवारी पर पूरी मुस्तैदी के साथ पुलिस मौजूद रहे ताकि किसी श्रद्धांलुओं को कोई परेशानी न हो

लेकिन एक महिला का चेयर चोरी हो गई जो थाने मे रपट लिखने पहुंची!

शांतिपूर्ण ढंग से महादेव का जलाभिषेक समापन्न हुआ!

जलाभिषेक करने पिता संग देकुली जा रहे पुत्र को ट्रक ने कुचला मौके पर मौत

शिवहर ब्यूरो अरुण कुमार साह

जिला शिवहरःमधुबन राष्ट्रीय उच्च पथ संख्या 227 पहाड़पुर पुल के पास सोमवार की सुबह ट्रक की ठोकर से एक बाइक सवार की मौत हो गई है।मृतक की पहचान श्यामपुर भटहाँ थाना क्षेत्र के नयागाँव लक्ष्मुटोला निवासी धर्मदेव राय के 21 वर्षीय पुत्र जयप्रकाश कुमार के रूप में की गई है।

बताया जाता है कि जयप्रकाश अपने पिता धर्मदेव राय के साथ सुपर स्प्लेंडर बाइक से देवकुली धाम स्थित बाबा भुवनेश्वर नाथ मंदिर में पहली सोमवारी को जलाभिषेक करने जा रहा था।इसी दौरान पहाड़पुर पुल से पूरब मोड पर पिता उतरकर पेशाब करने गया था। इसी दौरान विपरीत दिशा से आ रही अज्ञात ट्रक ने बाइक पर बैठे जयप्रकाश को रौदते हुए फरार हो गया। पिता जब लौटा जब तक पुत्र की मौत हो चुकी थी। डायल 112 की गाड़ी ने तुरंत पीएचसी में भर्ती कराया जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया।पुलिस ने शव को

कब्जे में कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। इस संबंध में अज्ञात ट्रक चालक के विरुद्ध थाने में प्राथमिक की दर्ज कराई गई है। थाना अध्यक्ष कोमल रानी ने बताया कि शव कब्जे में लेकर अग्रतर कार्रवाई की जा रही है।

मृतक दो भाइयों में छोटा था वृद्ध पिता अपने आंखों के सामने पुत्र की मौत देखकर सदमे में है।जबकि परिजनों को रो-रो कर बुरा हाल है। भगवान को कोसते हुए कह रहा है की हम क्या बिगाड़े थे की पिता के सामने पुत्र को छीन लिया।

सहरसा के मंच पर उतरी महाभारत!

काशवी और टीम की धमाकेदार प्रस्तुति ने बटोरी तालियाँ, सहरसा डांस महोत्सव बना यादगार

सहरसा : प्रेक्षागृह सहरसा में संगीत, संस्कार और संस्कृति का रंगीन संगम देखने को मिला, जब स्ट्रगलर डांस एकेडमी, सहरसा के तत्वावधान में सहरसा डांस महोत्सव का भव्य आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का संचालन बिहार डांस एसोसिएशन, पटना की मान्यता प्राप्त संरचना में किया गया और मंच बन गया युवा प्रतिभाओं के जौहर का साक्षी।

जब भाव, लय और महाभारत एकसाथ नाचे...

अशोका डांस एकेडमी की नन्हीं कलाकारों – काशवी -, शिवांगी, प्रजन्यां श्री, अन्विति, हियांशी, आरुषी और आराध्या – ने जब महाभारत सांग पर ग्रुप परफॉर्मेंस दी, तो पूरा सभागार मंत्रमुग्ध हो गया।

काशवी झा, जिनका परिचय सिर्फ एक डांसर नहीं, बल्कि पूर्व वार्ड पार्षद अशोक झा की सुपौत्री के रूप

में भी है, ने विशेष रूप से दर्शकों की वाहवाही लूटी।

प्रतिभा को मिला मंच, मंच को मिला गौरव

कार्यक्रम में बतौर विशिष्ट अतिथि उपस्थित थे —

माननीय विधायक डॉ. आलोक रंजन, नगर निगम मेयर श्रीमती बैन प्रिया, और प्रशासनिक सेवा से स्नेहा झा। कार्यक्रम संचालन कर रहे आनंद झा ने सभी प्रतिभागियों को बधाई देते हुए कहा, "सहरसा की धरती प्रतिभाओं से कभी खाली नहीं रहती, जरूरत है उन्हें सही मंच देने की – और यह महोत्सव उसी दिशा में एक सुंदर प्रयास है।"

यह सिर्फ प्रस्तुति नहीं थी, सहरसा की कला चेतना की झलक थी!

काशवी और साथियों ने जो किया, वह 'डांस' नहीं – सांस्कृतिक ऊर्जा की एक संगीतमय लहर थी।

धर्मपुर मे घर मे घुसकर गृहस्वामी को मारपीट कर गंभीर रूप से जख्मी कर दिया!

अमरदीप नारायण प्रसाद

समस्तीपुर के मुफस्सिल थानाक्षेत्र के घर्मपुर चकनूर मोहल्ला वार्ड 06 में असमाजिक प्रवृति के लोगों ने घर के अंदर घुसकर गृहस्वामी को मारपीट कर गंभीर रूप से जख्मी कर दिया!

इस दौरान बदमाशों ने घर के अंदर तोडफोड भी किया!विरोध करने पर महिला और परिवार के अन्य सदस्यों के साथ भी दुर्व्यवहार किया!

शोर शराबे की आवाज सुनकर जब आसपास के लोग घटनास्थल पर एकत्रित हुए।

इससे पहले बदमाश वहां से भाग निकला. सूचना पर स्थानीय पुलिस के डायल 112 की टीम घटनास्थल पर पहुंची और जख्मी को इलाज के लिए सदर अस्पताल भर्ती कराया!जख्मी की पहचान 65 वर्षीय मोहम्मद तस्लीम के रूप में हुई है, जो घर्मपुर चकनूर मोहल्ला के वार्ड 06 के रहने वाले है!

चोरी छिपे शराब बनाने वालों एवं पीने बालों के विरोध में ग्रामीणों का अच्छा पहल,गांव भ्रमण कर इस तरह के धंधे पर रोक लगाने का किया मांग

समस्तीपुर : शिवाजीनगर प्रखंड के डुमरा मोहन गांव में चोरी छिपे देशी शराब बनाने वालों एवं पीने बालों के विरोध में पंचायत भवन परिसर में ग्रामीणों के द्वारा अभियान चलाया जा रहा है जिसमे गांव की महिलाओं ने चोरी छिपे शराब बनाने वालों के विरुद्ध कानूनी कारवाई की मांग कर रहे थे। साथ ही शाम ढलते गांव में शराब पीकर शोर मचाने बालों की पहचान कर पुलिस प्रशासन को सूचना देने का निर्णय लिया।वही गांव की महिलाओं ने बताया कि गांव में कुछ लोग चोरी छिपे शराब बनाकर और बाहर से शराब लाकर गांव में बेच युवाओं को नशे का शिकार बना रहे हैं। बिहार में पूर्ण रूप से शराब बंदी है। बावजूद गांव से लेकर पंचायतों में अभी भी चोरी छिपे देशी शराब बनाने का खेल जारी है। और गांव के छोटे छोटे लड़कों को बहला फुसलाकर इस धंधे में शामिल किया जा रहा है। इतना ही नहीं उसे नशे का सेवन कराकर उसका और उसके घर परिवार को बर्बाद करने में लगे हुए है। महिलाओं ने कहा की गांव में चोरी छिपे शराब बेचने का धंधा दिन प्रतिदिन बढ़ता ही जा रहा है। हर घर परिवार के कोई न कोई इसका शिकार होते जा रहे है। स्थानीय पुलिस प्रशासन और उत्पाद विभाग की टीम गांव में आते जरूर है पर कोई खोजबीन और जांच पड़ताल नहीं करते है। सिर्फ गांव में गस्ती कर चले जाते हैं, चोरी छिपे शराब बनाने वालों पर कोई सख्त कारवाई नहीं कर पाते है। सिर्फ पीने बालों को कभी कभार पकड़ लेते हैं। उसके बाद भी उन जैसे नशेड़ि युवाओ पर पुलिस का भय नहीं रहता है। और शाम ढलते खुल कर नशा करने के बाद विरोध करने बालों के विरुद्ध गांव में घूम घूम कर गाली गलौज करते रहते है। जिसके कारण लोगों में भय का माहौल रहता है। सभी बातों की शिकायत पंचायत प्रतिनिधि से लेकर स्थानीय पुलिस को कई बार जानकारी दिया गया ।कोई ठोस कारवाई नहीं होता है। बैठक में बढ़ चढ़ कर भाग लेने वाली शामिल सभी महिलाएं युवा और पुरुष वर्ग के लोगो ने पंचायत भवन से डुमरा गांव भ्रमण कर जागरूक करते हुए गांव में चोरी छिपे शराब बनाने को बंद करने का नारा देकर पीने बालों के विरुद्ध कारवाई की मांग कर स्थानीय पुलिस प्रशासन के साथ वरीय पदाधिकारी को सूचना देने का अपील किया।

तन्वी द ग्रेट देखकर इमोशनल हुए अक्षय कुमार

एक्टर-डायरेक्टर अनुपम खेर की फिल्म 'तन्वी द ग्रेट' थिएटर में रिलीज को तैयार है। अक्षय कुमार ने बुधवार को फिल्म देखी और अपने अनुभव को सोशल मीडिया पर शेयर किया। फिल्म देखने के बाद इमोशनल हुए एक्टर ने कहा कि कहानी शानदार है और इसने रुलाकर रख दिया। अक्षय कुमार ने इंस्टाग्राम के स्टोरीज सेक्शन पर लिखा कि यह फिल्म उनके दिल को छू गई। उन्होंने फिल्म को भावनात्मक और प्रेरणादायक बताया।

फिल्म का ट्रेलर शेयर करते हुए अक्षय ने अनुपम और उनकी टीम की तारीफ की। एक्टर ने कैप्शन में लिखा, तन्वी देखने में थोड़ी देर हुई, लेकिन खुशी है कि मैंने यह फिल्म देखी। तन्वी द ग्रेट एक ऐसी कहानी है, जिसने मुझे भावुक कर दिया और मैं तन्वी के लिए दिल से प्रार्थना करता हूं। मेरे दोस्त अनुपम खेर और पूरी टीम को ढेर सारी शुभकामनाएं। बड़े पर्दे पर इसे देखने का इंतजार है। इससे पहले अमिताभ बच्चन, शाहरुख खान, कंगना रनौत और अनिल कपूर जैसे सितारों ने भी सोशल मीडिया पर पोस्ट कर फिल्म की प्रशंसा की थी।

शाहरुख ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स हैंडल पर लिखा, मेरे दोस्त अनुपम खेर, रिस्क लेने से पीछे नहीं हटते। तन्वी द ग्रेट का ट्रेलर शानदार है। इस सफर के लिए शुभकामनाएं। 'तन्वी द ग्रेट' अनुपम खेर के निर्देशन में बनी फिल्म है, जो 18 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। इस फिल्म के साथ लीड एक्ट्रेस शुभांगी एक्टिंग में डेब्यू करने जा रही हैं। फिल्म में एक्टर जैकी श्रॉफ, अरविंद स्वामी, बोमन ईरानी, पल्लवी जोशी, करण टैकर और नासिर जैसे एक्टर्स महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। अनुपम खेर भी फिल्म में स्पेशल रोल में हैं। रितेश सिधवानी और फरहान अख्तर के एक्सेल एंटरटेनमेंट बैनर तले बनी यह फिल्म एक ऐसी लड़की की कहानी है, जो ऑटिज्म से जूझते हुए भारतीय सेना में शामिल होने का सपना देखती है।

नए अंदाज में रिलीज होगी बाहुबली, एसएस राजामौली ने की घोषणा

साउथ की ब्लॉकबस्टर फिल्मों में से एक बाहुबली द बिगनिंग को आज 10 साल पूरे हो गए हैं। प्रभास स्टारर इस फिल्म को 10 जुलाई 2015 को रिलीज किया गया था। फिल्म ने वर्ल्डवाइड शानदार कमाई की थी और सबसे सक्सेसफुल फिल्मों में अपना नाम दर्ज कराया। आज जब फिल्म को 10 साल पूरे हो गए हैं तो मेकर्स ने ऑडियंस को एक और तोहफा देने का ऐलान कर दिया है। दरअसल बाहुबली फिल्म के ऑफिशियल इंस्टाग्राम हैंडल से इस बात का ऐलान किया गया है कि बाहुबली के पहले और दूसरे पार्ट को एक साथ सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा। बाहुबली मूवी ने लिखा है- 10 साल पहले, एक सवाल ने पूरे देश को एकजुट कर दिया था...अब वही सवाल और उसका जवाब लौट रहे हैं — एक भव्य महाकाव्य में साथ-साथ। बाहुबली द एपिक पूरी दुनिया में 31 अक्टूबर 2025 को रिलीज हो रही है। बाहुबली - द एपिक' दरअसल पहली और दूसरी फिल्म को मिलाकर दिखाए जाने वाला एक वर्जन होगा। इस फिल्म के जरिए मेकर्स एक बार फिर बाहुबली की यादों को पर्दे पर ताजा करना चाहते हैं। फिल्म के डायरेक्टर एस एस राजामौली ने इस मौके पर सोशल मीडिया पर एक भावुक पोस्ट शेयर की जिसमें उन्होंने लिखा, बाहुबली... कई यात्राओं की शुरुआत, अनगिनत यादें और अंतहीन प्रेरणा। 10 साल पूरे हो चुके हैं और इसे यादगार बनाने के लिए आ रही है बाहुबली द एपिक!

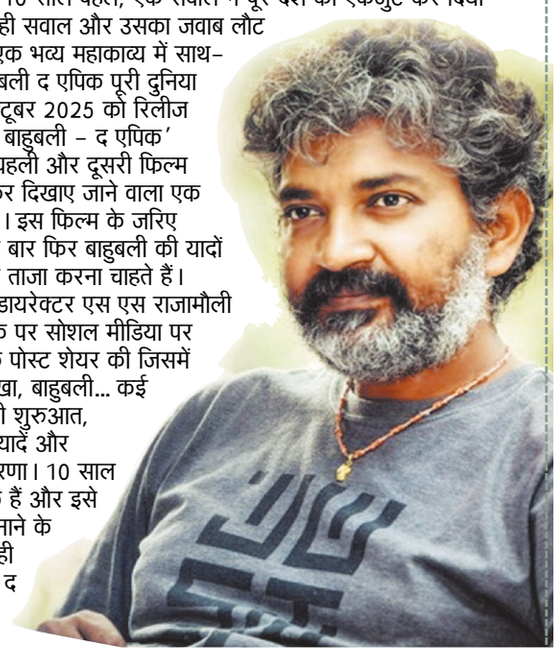

लगातार तीन फ्लॉप, अब 'मालिक' से हैं उम्मीदें; क्या बच पाएगा मानुषी का करियर

राजकुमार राव की फिल्म 'मालिक' सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। फिल्म को लेकर माहौल तो काफी बना था, लेकिन पहले दिन फिल्म बॉक्स ऑफिस पर वैसा कोई खास कमाल नहीं दिखा पाई। क्रिटिक्स ने भी फिल्म को मिली-जुली प्रतिक्रिया ही दी। फिल्म में पहली बार राजकुमार राव एक अलग अंदाज में नजर आ रहे हैं। वो फिल्म में एक गैंगस्टर का रोल निभा रहे हैं। ये फिल्म राजकुमार राव के लिए तो अहम है ही, लेकिन उनसे भी ज्यादा इस फिल्म की सफलता अभिनेत्री मानुषी छिल्लर के लिए जरूरी है। क्योंकि ये मानुषी छिल्लर की चौथी फिल्म है और अभिनेत्री को अभी भी अपने करियर की पहली हिट फिल्म की जरूरत है।

साल 2022 में मानुषी छिल्लर ने बॉलीवुड में अपना डेब्यू किया। मानुषी ने अपने डेब्यू के लिए एक दम परफेक्ट फिल्म और बैनर चुना था। उनकी पहली फिल्म अक्षय कुमार के साथ 'सम्राट पृथ्वीराज' थी। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर औंधे मुंह गिरी और मानुषी का एक सफल डेब्यू का सपना अधूरा रह गया। इसके बाद मानुषी छिल्लर विक्की कौशल के साथ फिल्म 'द ग्रेट इंडियन फैमिली' में नजर आईं। यह फिल्म भी यशराज के बैनर तले ही बनी थी। यह फिल्म कब आई और कब चली गई किसी को पता भी नहीं चला। दो बैक टू बैक फ्लॉप के बाद मानुषी के हाथ एक बार फिर से बड़े बजट की फिल्म लगी। इस बार फिर उनके साथ फिल्म में अक्षय कुमार थे। इस बार साथ में एक्शन हीरो टाइगर श्रॉफ भी थे और एक बड़ी स्टारकास्ट थी। इस फिल्म को लेकर काफी बज क्रिएट किया गया था। लेकिन जब फिल्म बॉक्स ऑफिस पर आई तो धड़ाम हो गई। इस तरह से मानुषी छिल्लर के खाते में लगातार तीसरी बड़ी फ्लॉप आई।

'मालिक' बचा पाएगी मानुषी का डूबता करियर?

लगातार तीन बड़े बजट और प्रोडक्शन हाउस की फिल्में, जिनमें स्टार्स भी बड़े-बड़े थे। वो मिलने के बाद भी मानुषी छिल्लर को एक हिट अभी तक नहीं मिली है। यही कारण है कि डेब्यू को तीन साल हो गए हैं और मानुषी की सिर्फ तीन ही फिल्में आई हैं। तीनों ही बॉक्स ऑफिस पर डिजास्टर साबित हुई हैं। ऐसे में अब मानुषी के करियर के लिए राजकुमार राव की 'मालिक' का चलना बहुत जरूरी है। हालांकि, मालिक में मानुषी का किरदार छोटा है और स्क्रीन स्पेस भी इसी वजह से कम है। लेकिन वो कहते हैं न कि डूबते को एक तिनके का सहारा होता है। ऐसे में मानुषी के लिए मालिक का सफल होना ही जरूरी है, भले ही उसमें रोल उनका कितना भी हो। हालांकि, पहले दिन की कमाई को देखते हुए 'मालिक' के भी बड़ी हिट बनने की उम्मीद कम ही है।

बैटल ऑफ गलवां में चित्रांगदा की एंट्री

सलमान खान इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म बैटल ऑफ गलवां को लेकर सुर्खियों में हैं। अब फिल्म को लेकर एक नई अपडेट सामने आई है। फिल्म में अभिनेत्री चित्रांगदा सिंह की एंट्री हो गई है। चित्रांगदा फिल्म में लीड एक्ट्रेस की भूमिका निभाएंगी। वहीं सलमान इस फिल्म के लिए खूब मेहनत कर रहे हैं। फिल्म में सलमान खान सोल्जर का किरदार निभाने के लिए अपने ऊपर काफी मेहनत कर रहे हैं। इंडिया टुडे के मुताबिक सलमान खान ने एक सोल्जर के किरदार में ढलने के लिए एक निजी ट्रेनर रखा है।

सलमान के विपरीत होंगी चित्रांगदा सिंह

हाल ही में फिल्म के मेकर्स ने एलान किया कि फिल्म में सलमान खान के विपरीत चित्रांगदा सिंह होंगी। फिल्म के निर्देशक अपूर्व लाखिया ने जानकारी दी हम बैटल ऑफ गलवां की कास्ट में चित्रांगदा सिंह का स्वागत करते हुए बेहद उत्साहित हैं। उनका स्त्री रूप सलमान सर के गंभीर लेकिन शांत व्यक्तित्व से पूरी तरह मेल खाता है।

जंक फूड और ड्रिंक्स छोड़ी

सलमान खान के वर्कआउट में वेट ट्रेनिंग और दौड़ना शामिल है। वह अपने जिम में एक उच्च दबाव वाले कक्ष में भी ट्रेनिंग लेते हैं। इस कक्ष को लेह की ऊंचाई के हिसाब से बनाया गया है ताकि उनका शरीर वहां के दबाव को सहन करने के काबिल हो जाए। इसके साथ ही सलमान खान ने जंक फूड और गैस वाले ड्रिंक को भी छोड़ दिया है।

श्री श्री रविशंकर की बायोपिक के लिए खास तैयारी कर रहे विक्रांत

अभिनेता विक्रांत मैसी जल्द ही आध्यात्मिक गुरु श्री श्री रविशंकर की जिंदगी पर आधारित फिल्म 'व्हाइट' में नजर आने वाले हैं। इसी बीच इस फिल्म से जुड़ी कुछ अहम जानकारियां अमर उजाला के हाथ लगी हैं। जानते हैं क्या हैं वो नई जानकारियां।

कोलंबिया में होगी अधिकांश शूटिंग

आज ही रिलीज हुई अपनी फिल्म आंखों की गुस्ताखियां के बाद अब विक्रांत मैसी अपनी अगली फिल्म 'व्हाइट' की शूटिंग में व्यस्त हो गए हैं। ये फिल्म आध्यात्मिक गुरु श्री श्री रविशंकर की जिंदगी पर आधारित है। फिल्म की लगभग 90 प्रतिशत शूटिंग दक्षिण अमेरिकी देश कोलंबिया में की जाएगी।

कोलंबिया पर ही आधारित होगी कहानी

फिल्म से जुड़े एक करीबी सूत्र ने बताया, 'यह फिल्म सिर्फ एक बायोपिक नहीं है, बल्कि यह उस ऐतिहासिक घटना पर आधारित है जब श्री श्री रविशंकर ने कोलंबिया में चल रहे 52 साल पुराने संघर्ष को शांति से खत्म करने में मदद की थी। चूंकि ये सभी घटनाएं कोलंबिया की धरती पर घटी थीं, इसलिए उनकी सच्चाई को बनाए रखने के लिए ज्यादातर शूटिंग वहीं होगी।'

किरदार में ढलने के लिए विक्रांत ने कैसे की तैयारी

विक्रांत ने इस किरदार की तैयारी के लिए हाल ही में बेंगलुरु स्थित 'आर्ट ऑफ लिविंग' आश्रम का दौरा किया था। यहां उन्होंने श्री श्री रविशंकर द्वारा शुरू किया गया 'हैप्पीनेस प्रोग्राम' भी अटैंड किया। विक्रांत ने वहां ध्यान, प्राणायाम और साधना के जरिए श्री श्री रविशंकर की एनर्जी और विचारधारा को महसूस करने की कोशिश की, ताकि फिल्म में उनकी मौजूदगी सिर्फ दिखावटी न लगे।

कुछ यूं किरदार की तैयारी कर रहे विक्रांत

फिल्म में श्री श्री की भूमिका निभाने के लिए विक्रांत ने अपने बाल और दाढ़ी बढ़ाई है। इसके साथ ही विक्रांत, श्री श्री रविशंकर के बोलने के ढंग, मुस्कान, चलने और बैठने के तरीके को भी बारीकी से आत्मसात कर रहे हैं। एक्टर लगातार श्री श्री रविशंकर के वीडियो, भाषण और इंटरव्यू देख रहे हैं। इसके जरिए वे श्री श्री के व्यवहार और शारीरिक भाषा को भी बारीकी से समझने की कोशिश कर रहे हैं।

अगस्त में कोलंबिया रवाना होंगे विक्रांत

विक्रांत पिछले कुछ दिनों से अपनी फिल्म 'आंखों की गुस्ताखियां' के प्रमोशन में जुटे हुए थे। अब वे कुछ समय अपने परिवार (पत्नी शीतल और बेटे वर्दान) के साथ बिताएंगे। इसके बाद अगस्त 2025 में वे इस फिल्म की शूटिंग के लिए कोलंबिया रवाना होंगे।

पत्रलेखा ने मुझे एक बेहतर इंसान बनाया है, उन्हें हमेशा खुद से आगे रखता हूं

पर्दे पर संजीदा वकील शाहिद आजमी से लेकर होनहार श्रीकांत और स्त्री के मसखरे विकी, हर किरदार में पानी की तरह ढल जाने वाले एक्टर राजकुमार राव अपने नाम की तरह अदाकारी के भी राजकुमार हैं। अब अपनी नई फिल्म मालिक में भी वह गैंगस्टर के बिल्कुल नए अंदाज के लिए चर्चा में हैं। ऐसे में, हमने उनकी एक्टिंग, सिनेमा और व्यक्तित्व को लेकर की खास बातचीत -

आज आप उस मुकाम पर हैं कि आपकी फिल्म 800 करोड़ कमा रही है। इस सफलता के बाद क्या चुनौती रहती है?

हमेशा कुछ नया खोजना, वो हमेशा का संघर्ष है। पहली फिल्म से मेरी कोशिश रही है कि मैं नया कुछ करता रहूं। खुद को बतौर एक्टर थोड़ा और आगे धकेलता रहूं। कभी भी एक तरह का फिल्में ना करूं, क्योंकि फिर एक कंफर्ट आ जाता है। मेरा चैलेंज यही रहा है कि कैसे मैं अच्छी कहानियां ढूंढूं। फिर, हर किरदार एक चैलेंज है। मैं कोशिश करता हूं कि उस किरदार को सबसे बेहतर बना पाऊं कि वह इससे बेहतर नहीं हो सकता था। आप किसी रोल को हल्के में नहीं ले सकते कि यह तो मैं कर दूंगा।

आपकी फिल्म में डायलॉग है कि मालिक पैदा नहीं हुए तो क्या हुआ, बन तो सकते हैं। यह बात आपकी जिंदगी पर भी लागू होती है। आपको कब लगा कि स्टार परिवार में पैदा नहीं हुए तो क्या, स्टार बन तो सकते हैं?

ये काफी पहले से है। मैं गुरुग्राम में एक ज्वाइंट फैमिली में पला-बढ़ा हूं और हम फिल्में बहुत देखते थे। हमने वीसीआर पर बहुत फिल्में देखी हैं, तो मुझे बचपन से ही फिल्मों के प्रति बहुत आकर्षण था। मैं नवीं-दसवीं में था, जब तय कर लिया था कि एक दिन फिल्म एक्टर बनना है। फिर, मैंने वहीं थिएटर करना शुरू कर दिया। फिर, एफटीआईआई में ऐक्टिंग कोर्स ज्वाइन कर लिया। किस्मत से मेरे पैरंट्स, खासकर मेरी मां बहुत सपोर्टिव थीं कि जिंदगी में जो भी करना है वो करो, बस ईमानदारी और मेहनत से करो। सच कहूं तो इस लाइन कि पैदा नहीं हुए तो क्या हुआ, बन तो सकते हैं, मैं इससे बहुत रिलेट कर पाता हूं। मेरा मानना है कि यह बात हर किसी पर लागू होती है कि आप अपनी जिंदगी के मालिक खुद बन सकते हैं।

इधर, आप लगातार कॉमेडी करते हुए दिख रहे थे, ऐसे में मालिक जैसा एक्शन वाला किरदार सही ब्रेक मानते हैं?

इसकी टाइमिंग अच्छी हो गई है। मैं भी ऐसा बहुत सुन रहा हूं, पढ़ रहा हूं कि बहुत स्मॉल टाउन कॉमेडी कर रहा हूं, जो कि सही भी है। पिछले एक साल में 3 कॉमेडी फिल्में आ गईं, स्त्री 2, विकी विद्या का वो वाला विडियो और भूल चूक माफ, पर उसके साथ श्रीकांत भी आई, जो एक बायोपिक थी। मैं और मिसेज माही भी आई, जो ड्रामा थी, पर कॉमेडी शायद लोगों को ज्यादा याद रहती है, तो मालिक की टाइमिंग सही हो गई है। हालांकि, मैंने ये सोचकर फिल्म नहीं की थी कि मुझे ब्रेक चाहिए। मैं हमेशा ही चैलेंजिंग काम ढूंढता रहता हूं। कुछ ऐसा जो मैंने पहले नहीं किया है। मालिक की कहानी बहुत पॉवरफुल है, इसलिए मैंने की।

आपकी अगली फिल्म टोस्टर की निर्माता आपकी पत्नी पत्रलेखा हैं, वहां आप स्टार वाले नखरे दिखा पाए या बीवी होने के नाते वह कमान कसकर रखती थीं। आजकल एक्टर्स की लंबी-चौड़ी टीम पर लेकर भी बड़े सवाल उठ रहे हैं?

पत्रलेखा बहुत अच्छी प्रोड्यूसर हैं। चूंकि, हम दोनों एक्टर हैं तो हमने सोचा कि इतने सालों में जो सीखा है, देखा है, उसे बेहतर ढंग से अपने सेट पर लागू करें और हम दोनों ने अपनी मांओं के नाम को मिलाकर अपना प्रोडक्शन हाउस शुरू किया है। बाकी, नखरे तो मैं कहीं भी नहीं करता हूं। मैं जहां पर काम करता हूं, सबको साथ लेकर चलता हूं। सबके साथ बैठकर खाना खाता हूं, हंसता-बोलता हूं। मेरा मानना है कि बतौर प्रोड्यूसर अगर आपको किसी की मांग वाजिब नहीं लगती तो आप मत दीजिए। आपको बतौर प्रोड्यूसर बहुत सख्त होना चाहिए कि ये नहीं देना है। मेरी तो चार लोगों की टीम है जो पिछले 10 साल से मेरे साथ हैं। आज भी वही हैं, क्योंकि मुझे लगता नहीं कि और किसी की जरूरत है। सब अच्छे से हो रहा है, सब चल रहा है। अगर आपको बतौर प्रोड्यूसर दिक्कत लगती है कि कोई 15-20 लोगों की टीम मांगता है तो मत दीजिए आप।

पत्नी पत्रलेखा को आप हमेशा खुद से आगे रखते हैं। यह खूबी कम पतियों में मिलती है। ये गुर कहां से सीखा?

यह मेरी परवरिश रही है। जो वैल्यूज मुझे मिले मेरी फैमिली से, मेरी मां से। मैंने अपनी मां को जिंदगी में बहुत स्ट्रगल करते हुए देखा है तो दूसरे जेंडर के लिए मेरे मन में बहुत ज्यादा सम्मान है। मैं बिल्कुल भी नहीं चाहता कि जो चीजें मेरी मां ने झेली हैं, वो मेरी वजह से किसी को झेलनी पड़े। इसलिए, मैं एक्स्ट्रा आगे जाकर कोशिश करता हूं कि गलती से भी मेरे से ऐसा ना हो। फिर, पत्रलेखा तो मेरी पत्नी हैं तो और ज्यादा जरूरी है कि उनको कभी जिंदगी में ऐसा ना लगे, तो यह नैचरली मेरे डीएनए में ही है।

स्वात्वाधिकारी, मुद्रक प्रकाशक, एवं प्रधान संपादक, पी. के. कर्ण दूरभाष : 7209222811, कार्यकारी संपादक, डॉ. बी. के. मल्लिक, मोबाइलः 9810075792
ईमेलः aapkiawaazhindinewschannel@gmail.com, नई दिल्ली से डी 45A, जैतपुर पार्ट 2, नई दिल्ली 110044 द्वारा प्रकाशित, एवं पी0के0 प्रिंटिंग वर्क्स, वैशाली से मुद्रित।